



खबर संक्षेप

चिट्ठा बेचने ग्राहक तलाश रहा युवक गिरफ्तार

रायपुर। आमनाका पुलिस ने गुरुवार को टाटीबंध चौक के पास हेरोइन चिट्ठा बेचने की फिराक में घूम रहे घनश्याम कौशिक उर्फ गड्डू (39) को गिरफ्तार किया है। वह मटिया तालाब, दुर्गा मंदिर के पास टाटीबंध का रहने वाला है। पुलिस को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि टाटीबंध चौक के पास एक व्यक्ति मादक पदार्थ लेकर ग्राहक तलाश रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। तलाशी में 10.59 ग्राम हेरोइन चिट्ठा मिला, जिसकी कीमत करीब 1 लाख पांच हजार 900 रुपए है। इसके अलावा बाइक, फोन और इलेक्ट्रानिक तौल मशीन जब्त की गई।

नशीली टेबलेट जब्त धरा गया विक्रेता

रायपुर। कबीर नगर पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एनटीएफ) की संयुक्त टीम ने अटारी ओवरब्रिज के पास से नशीली टेबलेट बेचने वाले युवक को पकड़ा। तलाशी में युवक के कब्जे से 159 सैटप में कुल 1590 प्रतिबंधित गोमालियां बरामद हुईं। पुलिस ने गोमालियों के साथ 500 रुपए नकद और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए।

प्रतिबंधित नशीली गोमालियां बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को पकड़ा। तलाशी में युवक के कब्जे से 159 सैटप में कुल 1590 प्रतिबंधित गोमालियां बरामद हुईं। पुलिस ने गोमालियों के साथ 500 रुपए नकद और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए।

गांजा बिक्री के लिए ग्राहक तलाशते युवक गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर पुलिस ने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के हेलीपैड के पास से विक्रम देवार को गांजा के साथ गिरफ्तार किया। वह देवार बस्ती कुकुबेड़ा का निवासी है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति प्लास्टिक की बोरी में गांजा रखकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़ लिया। तलाशी में बोरी से 4.139 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

शराब पीने पैसे नहीं देने पर चाकू से किया हमला



रायपुर। सिलतारा पुलिस ने शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला बदमाश को गिरफ्तार किया है। समीर कुरं की शिकायत पर पुलिस ने विरेंद्र मनहर को गिरफ्तार किया है। युवक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गुरुवार रात सवा नौ बजे विरेंद्र उससे शराब पीने पैसे की मांग कर रहा था। पैसे देने से इंकार करने पर विवाद कर आरोपी ने युवक को जान से मारने की धमकी देते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने पतासाजी कर गिरफ्तार किया है।

हरिभूमि रायपुर मूर्ति

ट्रकों का दबाव कम होने से राहत

रायपुर से दुर्ग हाईवे पर रक्षाबंधन के कारण ट्रकों का दबाव अन्य दिनों की तुलना में एक तिहाई रहा। इस कारण हाईवे पर जाम की स्थिति निर्मित होने के बावजूद लोगों को ज्यादा देर तक जाम में नहीं फंसना पड़ा। हाईवे तथा रिंगरोड पर जाम में फंसे लोगों को निकलने में 15 से 30 मिनट तक का समय लगा।

शहर के आउटर साइड में चार घंटे तक सड़क जाम, टाटीबंध में वाहनों की लंबी कतार

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

रक्षाबंधन के दिन पर्व मनाने आने-जाने वालों की तादाद बढ़ने के कारण शहर के ज्यादातर आउटर क्षेत्रों में शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक जाम की स्थिति रही। सबसे ज्यादा लंबा जाम टाटीबंध मार्ग पर देखने के मिला। इस क्षेत्र में छोटे चारपहिया वाहनों की डेढ़ से दो किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। ►►शेष पेज 13 पर



टोल प्लाजा पर जाम

में फंसे रहे वाहन

खारून पुल से लेकर कुमहारी टोल प्लाजा तक दोनों तरफ के मार्ग पर लोग जाम में फंसे रहे। टोल प्लाजा में फास्टेग से टोल क्लियर होने में देरी होने की वजह से पूरे समय जाम की स्थिति बनी रही। टोल प्लाजा पर 10 से 15 मिनट तक इंतजार करना पड़ा। शहर के प्रमुख बाजारों में कोपेहर 1 बजे के बाद से सज्जाटा देखने को मिला। एक दिन पूर्व तयहारी खरीदी होने की वजह से शहर के प्रमुख बाजार पर ट्रैफिक का दबाव कम रहा।

इंटीरियर डिजाइनिंग का चल रहा काम, दिवाली से पहले उदघाटन होने की उम्मीद

पांच मंजिला रजिस्ट्री दफ्तर ने लिया आकार 3 लिफ्ट, दिव्यांगों के लिए रैंप की सुविधा भी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

कलेक्टोरेट परिसर में पांच मंजिला पंजीयन बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई है। इस बिल्डिंग में अब इंटीरियर डिजाइनिंग का काम चल रहा है। विभागीय सूत्रों से पता चला है कि इंटीरियर डिजाइनिंग कराने की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को दी गई है। इसके तहत बिल्डिंग के सभी कमरों एवं हॉल को सुंदर एवं आकर्षक बनाने के लिए कांच के केबिन से लेकर अन्य काम किए जा रहे हैं, वहीं फर्नीचर से संबंधित कार्य इसके बाद किए जाएंगे। विभाग के अधिकारी की मानें तो इंटीरियर डिजाइनिंग और फर्नीचर के काम में कम से कम एक से डेढ़ महीना और लग सकता है। इस तरह नई बिल्डिंग का लोकार्पण भी दीपावली से पहले तक होने की संभावना है।

हरिभूमि सरोकार



कांच के केबिन से बड़ी दफ्तरों की सुंदरता

पंजीयन बिल्डिंग के कमरों में लगने वाले दफ्तरों को सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए कांच के केबिन भी लगाए गए हैं, जिसमें लगे दरवाजे भी कांच के हैं। कांच के केबिन कारण दफ्तर काफी आकर्षक लग रहे हैं। हालांकि इसकी सुंदरता और बढ़ेगी, जब यहां फर्नीचर भी लगाए जाएंगे।

7 हजार वर्गमीटर में बनी 5 मंजिल बिल्डिंग

पुराने रजिस्ट्री भवन से नई बिल्डिंग कई गुना बड़ी है। सात हजार वर्गमीटर में बनी बिल्डिंग में आम लोगों की सुविधाओं का खासा ध्यान रखा गया है, वहीं पंजीयक, उप पंजीयकों के बैठक रूम, कोर्ट रूम से लेकर वेटिंग हॉल की साइज भी कई गुना बड़ी है। बिल्डिंग के पहले एवं दूसरे फ्लोर में कोर्ट रूम के साथ वेटिंग हॉल की सुविधा दी गई है। तीसरे फ्लोर ►►शेष पेज 13 पर

ग्राउंड फ्लोर में कैटीन

नई पंजीयन बिल्डिंग में रजिस्ट्री कराने पहुंचने वाले लोगों के लिए शुद्ध पीने का पानी के लिए वाटर फिल्टर से लेकर बाथरूम की व्यवस्था भी की जा रही है। बाथरूम की व्यवस्था ग्राउंड फ्लोर से लेकर तीसरे फ्लोर तक की गई है। अफसरों के लिए बाथरूम की अलग व्यवस्था ►►शेष पेज 13 पर

पूरक अंकों से असंतुष्ट छात्र सत्यापन सहित पुनर्मूल्यांकन के लिए दे सकेंगे अर्जी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12वीं सप्लीमेंटरी परीक्षा 2026 के बाद अंक सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन की तारीखें जारी कर दी हैं। जो छात्र अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, वे तय समय में आवेदन कर सकते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 12वीं पूरक परीक्षा परिणाम 2026 के बाद होने वाली विभिन्न गतिविधियों की तारीखें जारी कर दी हैं। इनमें अंकों के सत्यापन, उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी और पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया शामिल है। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर पूरा शेड्यूल देख सकते हैं।

आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कक्षा 12 की पूरक परीक्षा में शामिल हुए उम्मीदवार 31 अगस्त से मूल्यांकन की गई उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की हुई प्रति प्राप्त कर सकते हैं। स्कैन की हुई प्रति के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 1 सितंबर है। सबसे पहले छात्र अपनी पसंद के विषय की स्कैन की गई उत्तर-पुस्तिका के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके बाद छात्र अन्य सुविधा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

स्वास् खबर

एक सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

त्रुटिपूर्ण आवेदन बगैर सूचना होंगे खारिज



100 रुपए प्रति विषय शुल्क

पूरक परीक्षा के बाद छात्र अपनी जांची गई उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी के लिए 31 अगस्त से 1 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए छात्रों को 100 रुपए प्रति विषय शुल्क देना होगा। इसके बाद अंकों के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया 7 सितंबर से 8 सितंबर तक चलेगी। अंकों के सत्यापन के लिए 100 प्रति उत्तर पुस्तिका और पुनर्मूल्यांकन के लिए 100 रुपए प्रति प्रश्न शुल्क निर्धारित किया गया है। छात्र सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन दोनों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

बिना सूचना खारिज होंगे आवेदन

बोर्ड ने स्पष्ट किया कि आवेदन करने और प्रोसेसिंग फीस जमा करने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। सभी चरणों के लिए आवेदन केवल तय समय-सीमा के अंदर ही स्वीकार किए जाएंगे। तय तारीख और समय के बाद या ऑफलाइन माध्यम से किए गए आवेदन स्वीकार नहीं होंगे। फीस का भुगतान केवल यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग से किया जा सकता है। पोस्टल ऑर्डर, डिमांड ड्राफ्ट (डीडी), मनी ऑर्डर, चेक या नकद के जरिए फीस जमा नहीं की जा सकती। सीबीएसई के निर्देशों के अनुसार सही तरीके से जमा नहीं किए गए आवेदन बिना किसी सूचना के खारिज कर दिए जाएंगे। प्रत्येक चरण के लिए एक उम्मीदवार का केवल एक आवेदन स्वीकार किया जाएगा।

तकनीकी संस्थानों के लिए संशोधित फैलेंडर जारी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संशोधित अकादमिक कैलेंडर जारी किया है। इसके अनुसार, एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थानों में प्रथम वर्ष के छात्रों की कक्षाएं 17 अगस्त से शुरू हो गई हैं। वहीं, खाली सीटों पर प्रवेश और दूसरे वर्ष में लेटरल एंट्री के लिए 14 सितंबर तक की समय-सीमा तय की गई है। एआईसीटीई के 13 अगस्त को जारी संकुलर के मुताबिक, तकनीकी कोर्स के प्रथम वर्ष की कक्षाएं 17 अगस्त से शुरू हो गई हैं। वहीं, खाली सीटों पर एडमिशन और दूसरे वर्ष में लेटरल एंट्री के लिए 14 सितंबर अंतिम तारीख है विभिन्न राज्यों में निर्धारित तिथियों में इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में दाखिले प्रदान किए जाएंगे, लेकिन उक्त तिथियों के बाद प्रवेश नहीं दिए जा सकेंगे। विशेष परिस्थितियों में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से इसके लिए अनुमति लेनी होगी। ►►शेष पेज 13 पर

■ दूसरे वर्ष में लेटरल एंट्री के लिए 14 सितंबर तक

प्रवेश और दूसरे वर्ष में लेटरल एंट्री के लिए 14 सितंबर तक की समय-सीमा तय की गई है। एआईसीटीई के 13 अगस्त को जारी संकुलर के मुताबिक, तकनीकी कोर्स के प्रथम वर्ष की कक्षाएं 17 अगस्त से शुरू हो गई हैं। वहीं, खाली सीटों पर एडमिशन और दूसरे वर्ष में लेटरल एंट्री के लिए 14 सितंबर अंतिम तारीख है विभिन्न राज्यों में निर्धारित तिथियों में इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में दाखिले प्रदान किए जाएंगे, लेकिन उक्त तिथियों के बाद प्रवेश नहीं दिए जा सकेंगे। विशेष परिस्थितियों में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद से इसके लिए अनुमति लेनी होगी। ►►शेष पेज 13 पर

बहन की अस्थियां विसर्जित करने गया युवक नदी के तेज बहाव में फंसकर गहराई में डूबा

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

महादेवघाट पर शुक्रवार दोपहर परिवार के साथ बहन की अस्थियां विसर्जित करने गया युवक नदी के तेज बहाव में बह गया। डीडीनगर थाने की पुलिस तथा एसडीआरएफ की टीम पानी में बहे युवक की खोजबीन कर रही है।

घटना हाटकेश्वर महादेव मंदिर के पास बने घाट के पास की बताई जा रही है। युवक के पानी की लहरों की चपेट में आने के बाद घाट के पास चीख-पुकार मच गई, परिजन युवक को अपनी आंखों के सामने बहते हुए देख रहे थे, लेकिन नदी का बहाव इतना ज्यादा था कि लोग चाहकर भी



युवक को बचाने नदी में नहीं उतर सके। रायपुरा सतनामीपारा निवासी युधिष्ठिर सारंग नदी के तेज बहाव में बह गया। वह अपनी बहन की अस्थियां विसर्जित करने महादेवघाट गया था। अस्थि विसर्जन के बाद युवक घाट में नहाने के लिए उतरा। उसे नदी की गहराई का अंदाजा नहीं हो पाया, जिसकी वजह से युवक पानी की गहराई में चला गया और संभल नहीं सका। ►►शेष पेज 13 पर

एसडीआरएफ की टीम एक घंटे लेट से पहुंची

युवक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि सूचना मिलने के बाद एसडीआरएफ की टीम एक से डेढ़ घंटे लेट से पहुंची। इस कारण युधिष्ठिर का समय पर रेस्क्यू नहीं किया जा सका और वह पानी के तेज बहाव में बहता चला गया। परिजनों के अनुसार, एसडीआरएफ की टीम मौके पर तैनात नहीं थी। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम माना से घटनास्थल पहुंची, इस कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में देर होने का परिजनों ने आरोप लगाया है।

पीपीपी मोड पर संचालन के लिए ऑनलाइन टेंडर कर तय की जाएगी एजेंसी

बंद पड़ी गारमेंट फैक्ट्री में होगी हलचल, नए सिरे से बन रहा प्लान

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

पाम ब्लाजियो अपार्टमेंट के सामने मोवा में बंद पड़ी नगर निगम की गारमेंट फैक्ट्री के पुनर्जीवन एवं संचालन के लिए रायपुर नगर निगम के

■ महापौर मीनल चौबे की पहल पर योजना विभाग बनाया खाका

योजना विभाग ने इसे पीपीपी मोड पर 30 साल की लीज पर देने आरएफपी तैयार किया है। योजना मे मुताबिक इस गारमेंट फैक्ट्री में 500 महिलाओं को रोजगार मिलेगा। संस्था का चयन करने से पूर्व नगर निगम ने राज्य शासन को यह प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा गया है। शासन स्तर पर स्वीकृति मिलने के बाद ऑनलाइन टेंडर कर गारमेंट फैक्ट्री संचालन के लिए एजेंसी तय की जाएगी। महापौर मीनल चौबे ने स्पष्ट किया है कि चयनित संस्था अपने



व्यय पर आवश्यक मशीनरी की स्थापना, आधुनिकीकरण, संचालन और रखरखाव के कार्य करेगी। जिससे बंद पड़ी फैक्ट्री का संचालन सुनिश्चित हो सकेगा। दरअसल,

पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन काल में रायपुर नगर निगम द्वारा मोवा क्षेत्र में 15 करोड़ की लागत से 2 एकड़ परिसर में गारमेंट फैक्ट्री निर्माण के प्रथम चरण में शेंड ►►शेष पेज 13 पर

काम चल रहा

अब नगर निगम प्रशासन शासन स्तर पर समन्वय कर इस बुनियादी ढांचे का उपखोम महिलाओं को रोजगार प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बनाने पीपीपी मॉडल पर महिला समूहों को ऑनलाइन टेंडर के माध्यम से आमंत्रित कर गारमेंट फैक्ट्री शुरू करने की प्रक्रिया पर काम कर रहा है।

शासन के पास स्वीकृति के लिए मेजा है प्रस्ताव

नगर निगम द्वारा मोवा गारमेंट फैक्ट्री को पीपीपी मोड पर संचालन के लिए दिए जाने योजना शाखा द्वारा आरएफपी तैयार कर राज्य शासन के पास प्रस्ताव को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। शासन स्तर पर मंजूरी मिलते ही एजेंसी तय करने ऑनलाइन टेंडर किया जाएगा।

—मीनल चौबे महापौर, रायपुर निगम

खबर संक्षेप

पालिका परिषद की गोठ बात कल होगी

आरंग। नगर के समग्र विकास और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद द्वारा 'गोठ बात' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन सीधे नगरवासियों से रूबरू होकर नगर के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे और समस्याओं के समाधान का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम 29 अगस्त को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक पुराना नगर पालिका भवन, पुलिस थाना के सामने, आरंग में आयोजित होगा। इस दौरान विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा के साथ ही नागरिकों की समस्याओं और सुझावों पर भी विचार किया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि वे जनसंवाद कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों। नागरिक अपने क्षेत्र की समस्याओं, मूलभूत सुविधाओं और नगर के विकास से जुड़े सुझाव सीधे अध्यक्ष के समक्ष रख सकेंगे।

गोला फैंक में घनिष्ठ कुमार प्रथम



तरपोंगी। सारखी स्थित विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर, तरपोंगी के छात्र घनिष्ठ कुमार साहू ने गोला फैंक स्पर्धा में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर यह उपलब्धि हासिल करने के बाद अब घनिष्ठ का चयन आगामी प्रांत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए हुआ है। छात्र की इस शानदार सफलता पर पूरे विद्यालय परिसर और क्षेत्र में हर्ष की लहर है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य तुलसी राम वर्मा, क्षेत्र के जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा ने छात्र घनिष्ठ कुमार साहू को बधाई दी और आगामी प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाने के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जिलाबदर का आरोपी रिषभ गिरफ्तार

सिमगा। आम जनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना दृष्टि हेल्पलाइन प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा अपराधिक गतिविधि की जानकारी दृष्टि हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा काल के जरिए प्रदान की जा सकती है। दृष्टि हेल्पलाइन के माध्यम से अपराधिक कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन में दिनांक 27 अगस्त को दृष्टि हेल्पलाइन में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना सिमगा की पुलिस टीम द्वारा जिलाबदर आरोपी रिषभ मसीको को हिरासत में लिया गया है।

किसान चिंतित अब अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ेगा

लगातार बदली और बारिश से फसलों में कीट प्रकोप से कृषि लागत में वृद्धि

हरिभूमि न्यूज ►► आरंग

ब दो माह से रुक-रुककर हो रही बारिश और लगातार बनी बदली के चलते धान की फसल को पर्याप्त धूप नहीं मिल पा रही है। धूप की कमी का असर अब खेतों में साफ दिखाई देने लगा है। कई क्षेत्रों में धान की फसल पर विभिन्न प्रकार के रोगों का प्रकोप शुरू होने से किसान चिंतित हैं। फसल को बचाने के लिए किसानों को अब अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है। इस खरीफ सीजन की शुरुआत से ही किसानों की परेशानी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

लगातार बारिश के कारण बड़ी संख्या में किसानों को कई खेतों में दो से तीन बार तक धान की बुवाई करनी पड़ी। पहली बार ओए गए धान के बीज बारिश के पानी में खराब होने अथवा पौधों के नष्ट होने के बाद किसानों को दोबारा बुवाई करनी पड़ी। इससे जहां किसानों का समय और मेहनत अधिक लगी, वहीं खेती की लागत भी बढ़ गई।

देवादास बंजारे ने पंथी नृत्य का 64 देशों में प्रस्तुति देकर रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ►► मंदिर हस्तौद

ग्राम पंचायत कुटेश्वर में 26 अगस्त को सतनाम भजन कलाकार छत्तीसगढ़ एवं उपकार पंथी लोकनृत्य कल्याण समिति कुटेश्वर के संयुक्त तत्वावधान में सतनाम पंथ के प्रवर्तक पंथी लोकनृत्य के पुरोधर देवा दास बंजारे व ग्राम के वरिष्ठ पंथी कलाकार स्व.सालिक राम गिलहरे के सुरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म श्री ड।आर.एस.बारले, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय लोकनृत्य में गोल्ड मेडलिस्ट डॉं सी.एल.रात्रे, सुर सम्राट गोरू लाल बर्मन, डॉं राजेन्द्र रंगीला, मौलान रंगीला, श्रीमती तारा कुलकर्णी, चंदन बांधे, शिवा जांगड़े, पंथी दल-गौकरण बघेल, सहदेव बंजारे, धनी राम घृतलहरे, सलीम जांगड़े, कार्यक्रम

देवादास बंजारे व सालिक राम सुरता कार्यक्रम का आयोजन किया



वरिष्ठ नागरिकों, महिला शक्तियों का सम्मान

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा प्रातः स्मरणीय विश्व वंदनीय गुरु घासीदास बाबा जी को ध्यान कर दिव्य उद्योति जलाई और सतलोक की देवा दास बंजारे, सालिक राम घृतलहरे के तैलीय चित्र पर चढ्ढन लगाकर माल्यापण कर कार्यक्रम का शुभारंभ सतनाम यहां आरती के पश्चात प्रदेश स्तरीय कलाकारों द्वारा भजन एवं वक्ताओं ने देवा दास बंजारे के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन यात्रा में पंथी लोकनृत्य का भारत वर्ष के साथ 64 देशों में प्रस्तुति देकर सतनामी समाज को गौरवान्वित करते हुए महान संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा जी के सतनाम संदेश को जन-जन तक प्रवर्तक रहने एवं उनके समाजिक सद्भावना को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। कार्यक्रम में शामिल सामाजिक एकजुटता में किये गये ऐसे विभूतियों से परांगत व्यक्तित्व के धनी कलाकार,समाजसेवी साधियों एवं समाज सुधार में योगदान वरिष्ठ नागरिकों, महिला शक्तियों को विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्रशस्ति पत्र, मेडल, शाल व श्रीफल मेटकर सम्मानित किया गया।

पर्व : बहनों ने भाइयों को मंगल टीका लगाया और की दीर्घायु की कामना

माई-बहन के अमरप्रेम का पवित्र पर्व रक्षाबंधन में अंचल में छलका उत्साह

हरिभूमि न्यूज ►► धरसीवा

क्षेत्र में भाई-बहन के असीम स्नेह, अटूट विश्वास और पवित्र प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार अत्यंत उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया गया। सुबह से ही पूरे अंचल में रक्षाबंधन को लेकर विशेष चहल-पहल देखने को मिली। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखद जीवन की कामना की, वहीं भाइयों ने भी बहनों को जीवनभर उनकी रक्षा करने का वचन देते हुए मनपसंद उपहार भेंट किए।

त्यौहार के अवसर पर अंचल के प्रमुख बाजारों और व्यावसायिक केंद्रों में अभूतपूर्व रौनक बनी रही। धरसीवा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की मिठाई दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पारंपरिक मिठाइयों जैसे घेवर, काजू कतलों, लड्डू और पेड़े की जमकर बिक्री हुई। मिष्ठान विक्रेताओं ने भी त्यौहार के महेनजर कई दिन पहले से तैयारियां कर रखी थीं और दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया था। मिठाई के साथ-साथ राखी स्टॉलों पर भी देर शाम तक खरीदारी का सिलसिला चलता रहा, जहाँ बच्चों से लेकर बुजुर्गों के लिए तरह-तरह की रंग-बिरंगी और आकर्षक राखियां उपलब्ध थीं। त्यौहार के कारण क्षेत्र की मुख्य सड़कों और



चौराहों पर दिनभर वाहनों की आवाजाही और लोगों की आवाजाही बनी रही। बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर आम दिनों की तुलना में कहीं अधिक भीड़ देखने को मिली। अपने भाइयों के घर जाने के लिए बहनें सुबह से ही नए-नए परिधानों में सजी-धजी गंतव्य की ओर रवाना होती दिखीं, जिससे पूरे अंचल का माहौल उत्सवमय हो गया। यातायात को सुगम बनाए रखने के लिए मुख्य

अग्रसेन योगासन शाखा में हर्षोल्लास के साथ मनाया रक्षाबंधन

आरंग। अग्रसेन योगासन शाखा अग्रवाल पारा आरंग द्वारा श्रावण मास शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दूसरा पर्व रक्षाबंधन, भाई-बहन का स्नेह, रक्षा एवं समरसता का पावन पर्व आत्मीयता के साथ मनाया गया। अग्रसेन योगासन शाखा अपने नित्य दिनवर्षा आसन, प्राणायाम एवं ध्यान योग के बाद मुख्य अतिथि अविनाश साहू (चिकी), अध्यक्ष-नगर साहू समाज आरंग एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रदीप लोधी द्वारा भारत माता, डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार, गुरुजी सदाशिव गोवलकर की छायाचित्र पर पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलित एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के गुरु भगवा ध्वज को रक्षा सूत्र बांधकर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। अविनाश साहू द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विगत तीन वर्षों में आरंग विकासखंड एवं आसपास के क्षेत्रों को एक सूत्र में बांधने का सराहनीय कार्य किया है। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रदीप लोधी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा शिशुपाल के बाद सुदर्शन चक्र वापस उसकी उंगली में आने पर खून बहने लगा, जिसे देखकर द्रौपदी अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर बांधी थीं। तब से श्रीकृष्ण द्रौपदी को अपनी बहन मानता था। द्रौपदी का चीरहरण हुआ तब बहन की लाज बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने साड़ी की टेर लग दी थी। दीपक साहेब गुरुगोस्वामी ने कहा कि सन 1905 में बंगाल विभाजन की बात आई, तब गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने हिंदू एवं मुस्लिम दोनों को राखी बांधकर एक साथ रहने की सीख दी। यह हमारी संस्कृति का प्रतीक है।

चौराहों पर स्थानीय पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद नजर आया।

इस पावन अवसर पर बच्चों में विशेष उत्साह और खुशी देखी गई। छोटे-छोटे बच्चे कार्टन कैरेक्टर और लाइट वाली राखियों को लेकर बेहद रोमांचित रहे। रंग-बिरंगी राखियां कलाई पर सजने के बाद बच्चों की खुशी देखनी हो गई और वे एक-दूसरे को अपनी राखियां दिखाते नजर आए। घरों में

सुबह से ही पकवानों की खुशबू महकती रही और परिवारों में उत्सव का माहौल बना रहा। दूर-दराज रहने वाले भाई-बहन भी इस दिन एक साथ एकत्र हुए, जिससे पारिवारिक रिश्तों में मिठास और प्रगाढ़ता बढ़ी। कुल मिलाकर धरसीवा अंचल में रक्षाबंधन का त्यौहार आपसी भाईचारे, सांस्कृतिक परंपरा और असीम प्रेम के साथ शान्तिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

मंडारे में हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा गया

पूर्णिमा में हवन- पूजन के साथ सावन मानस पाठ की पूर्णाहुति

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

मठपुरैना वाटर फिल्टर प्लांट परिसर पर स्थित सर्व सिद्ध हनुमान मंदिर में सावन मास के उपलक्ष्य में आयोजित एक मास के श्रीरामचरितमानस पाठ की पूर्णाहुति पर शुक्रवार को हवन-पूजन और भंडारे का आयोजन किया गया। सुंदरकांड के प्रत्येक चौपाइयों पर श्रद्धालुओं आहुतियां दी और जीवन तथा समाज के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। पुजारी घनश्यामदास वैष्णव के आचार्यत्व में मंदिर समिति के अध्यक्ष मोहन लाला साहू, सोमनाथ निषाद, राजकुमार धीवर और दीनदयाल साहू प्रमुख यजमान के रूप में हवन में शामिल हुए। बाबूलाल साहू, किशोर गुरुजी, गंगा यादव, भूखन देवांगन, भागीरथी ठाकुर, मुक्ति साहू, नीलकंठ



सारथी, रामू धीवर, चौबेलाल सोनकर मानस पाठ में सहयोगी रहे और हवन में सपत्नीक शामिल हुए। इस अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद पाया। उल्लेखनीय है मंदिर में पिछले 30-35 वर्षों से मानस पाठ का आयोजन

किया जा रहा है। हवन के बाद अनुष्ठान के विसर्जन पर दीनदयाल साहू ने देवताओं की विदाई पर शानदार प्रस्तुति दी और मानस की मरुता का प्रतिपाद किया। इस अवसर पर महिला मंडली की श्रीमती शीला तिवारी और बसंती मानिकपुरी का योगदान विशेष रहा।

संयोजक दिनेश जांगड़े एवं विशेष सहयोग सतनाम भजन कलाकार समीति छत्तीसगढ़ के संरक्षक रंजीत गायकवाड़, मोती लाल घृतलहरे, ऋषी कुरें, लेख राम घृतलहरे, समिति के प्रदेश अध्यक्ष प. संतोष जोशी, उपाध्यक्ष भूपेन्द्र सोनवानी, महासचिव राजेश बंजारे,कोषाध्यक्ष खेमचंद कुरें, मिडिया प्रभारी सनत गिलहरे, राजू संगी, प्रवक्ता धीरज डीडी, प.गैदलाल घृतलहरे, पवन कुरें, रमन भारती, तुलसी बंजारे, चेतन, लल्ला बघेल, किस्मत भारती, मिनी आडिल, जागृति कुरें, चन्द्रिका भारती, प.तुलेश्वर घृतलहरे, साधुराम अनन्त, पमित चेला, आमन दास, अंजोर दास, देवा गहरे, डॉं राजेश बंजारे, प्रताप गायकवाड़ एवं समाज के वरिष्ठ कवि, लेखक, पत्रकार तथा कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिक और कुटेश्वर के सतनामी समाज कार्यक्रम में शामिल रहे



केरिपुबल ने दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

हरिभूमि न्यूज ►► अमनपुर

रक्षा बंधन के पावन अवसर पर 211वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (केरिपुबल), थर्नाद कैम्प में संकल्प सेवा संस्थान के दिव्यांग बच्चों के साथ रक्षा सूत्र कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने अधिकारियों एवं जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते, स्नेह और सुरक्षा का संदेश दिया।

इस अवसर पर डॉ. विनोद कुमार टंडन ने कहा कि रक्षा बंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं है, बल्कि यह स्नेह, सुरक्षा, विश्वास, संवेदना और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। विशेष बच्चों के साथ इस पर्व को मनाना उनके प्रति सम्मान और अपनत्व की भावना को और मजबूत करता है। इस दौरान कमाण्डेंट-इन-चार्ज डॉ. विनोद कुमार टंडन,द्वितीय कमान अधिकारी प्रणश कुमार अटल डिप्टी कमाण्डेंट इकबाल अहमद,संकल्प सेवा संस्थान संचालिका श्रीमती सुनीता साहू,अध्यापिका श्रीमती रूपल शर्मा सहित अन्य अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

भाई-बहनों के प्रेम से महका माहौल



आरंग। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शुक्रवार को आरंग नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में उत्सव का माहौल रहा। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की, वहीं भाइयों ने बहनों की सदैव रक्षा करने का संकल्प लिया। रंग-बिरंगी राखियों, मिठाइयों और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही। रक्षाबंधन के अवसर पर



दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाली बहनें अपने भाइयों के घर पहुंचीं, तो कई भाई भी अपनी बहनों से राखी बंधवाने उनके घर पहुंचे। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतारी और राखी बांधकर मुंह मीठा कराया। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट किए।



छत्तीसगढ़ पर मानसून हुआ मेहरबान...औसतन 100 फीसदी से अधिक बारिश दर्ज

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन में बारिश की स्थिति बेहद संतोषजनक बनी हुई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य स्तरीय निबंधन कक्ष द्वारा जारी वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून 2026 से 28 अगस्त 2026 तक राज्य में औसतन 855.9 मि.मी. बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो



कि बीते 10 वर्षों के औसत 849.3 मि.मी. की तुलना में 100.8 प्रतिशत है। अकेले 28 अगस्त को ही प्रदेश भर में औसतन 6.4 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। राज्य के विभिन्न संभागों और जिलों में बारिश का वितरण काफी विविधतापूर्ण रहा है, जहां कुछ जिलों में रिकॉर्ड तोड़ वर्षा हुई है वहीं कुछ इलाकों में अब भी मानसून की गति थोड़ी धीमी बनी हुई है।

सरगुजा में सबसे अधिक बारिश

सरगुजा संभाग की बात करें तो बलरामपुर जिले में मानसून की सबसे अधिक मेहरबानी देखने को मिली है, जहाँ औसत की तुलना में 157.7 प्रतिशत यानी 1164.4 मि.मी. बारिश हो चुकी है और यहाँ आज भी सर्वाधिक 29.3 मि.मी. पानी बरसा। संभाग के अन्य जिलों जैसे सूरजपुर में 963.5 मि.मी. (109.6%), मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 920.0 मि.मी. (116.7%), कोरिया में 702.3 मि.मी. (89.9%) और जशपुर में 716.9 मि.मी. (86.9%) बारिश दर्ज की गई है, जहाँ आज 16.9 मि.मी. पानी गिरा। वहीं सरगुजा जिला अब भी वर्षा के मामले में थोड़ा पीछे है, जहाँ अब तक औसत की केवल 71.1 प्रतिशत (504.4 मि.मी.) ही बारिश हुई है।



रायपुर-बिलासपुर में मानसून सक्रिय

मध्य छत्तीसगढ़ यानी रायपुर और बिलासपुर संभाग में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। प्रदेश में प्रतिशत के आधार पर सबसे अधिक 166.0 प्रतिशत बारिश सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में दर्ज की गई है, जहाँ कुल 1089.5 मि.मी. पानी बरसा है। रायपुर जिले में 920.0 मि.मी. (130.7%) और महासमुंद में 1017.9 मि.मी. (130.7%) बारिश के साथ आंकड़े बेहद मजबूत हैं। इसी क्रम में गरियाबंद में 989.2 मि.मी. (120.4%), बलौदाबाजार में 898.7 मि.मी. (114.4%) तथा धमतरी जिले में 833.6 मि.मी. (101.5%) बारिश हुई है। बिलासपुर संभाग में मुंगेली जिला 896.8 मि.मी. (120.5%) और जाजगीर-चापा 1025.7 मि.मी. (114.6%) वर्षा के साथ आगे चल रहे हैं, जबकि बिलासपुर में 890.7 मि.मी. (109.2%), सक्ती में 846.2 मि.मी. (105.8%) वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में मिला-जुला असर

दुर्ग संभाग के मैदानी इलाकों में बारिश का मिला-जुला असर दिख रहा है। बालोद जिले में सामान्य से अधिक 844.6 मि.मी. (108.2%) बारिश हो चुकी है, वहीं दुर्ग जिला 636.5 मि.मी. (100.4%) के साथ बिल्कुल सामान्य स्तर पर बना हुआ है। राजनांदगांव 698.0 मि.मी. (99.3%) और खैरागढ़-छुईखदान-गंडई 583.5 मि.मी. (95.4%) के साथ सामान्य के आंकड़े को छू रहे हैं। हालांकि कछीरधाम में 550.1 मि.मी. (85.6%), बेमेतरा में 493.7 मि.मी. (78.2%) और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 689.3 मि.मी. (70.6%) वर्षा के साथ स्थिति थोड़ी धीमी बनी हुई है। दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर संभाग में नारायणपुर जिला 1260.9 मि.मी. (121.3%)

बारिश दर्ज कर पूरे संभाग में सबसे आगे है, जहाँ आज भी 21.5 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। दत्तेवाड़ा जिले में 1063.2 मि.मी. (95.4%) बारिश के साथ जल स्तर बेहतर है। बंजापुर में कुल वर्षा का आंकड़ा 1213.9 मि.मी. पहुँच चुका है जो औसत का 80.0 प्रतिशत है, वहीं सुकमा में 846.1 मि.मी. (72.3%), कोण्डागांव में 758.9 मि.मी. (80.2%) और बस्तर जिले में 837.3 मि.मी. (77.8%) बारिश दर्ज की गई है। पूरे प्रदेश में औसतन प्रतिशत के लिहाज से सबसे कम वर्षा कांकेर जिले में 713.1 मि.मी. (65.6%) दर्ज की गई है, हालांकि यहाँ आज 12.5 मि.मी. बारिश दर्ज की गई जिससे आगे वाले दिनों में स्थिति सुधरने की उम्मीद जताई जा रही है।

खबर संक्षेप

जयंती पर याद किए गए मेजर ध्यानचंद



रायपुर। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ट्रेनिंग सेंटर रायपुर में हॉकी के जादूगर एवं पद्मभूषण मेजर ध्यानचंद की जयंती के अन्सर पर खेल दिवस समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में नगर निगम के जोन-4 अध्यक्ष मुरली शर्मा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर जोन अध्यक्ष ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की। इस अवसर पर हाई परफॉर्मेंस कोच केसी त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मौजूद युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुरली शर्मा ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन अनुशासन, कठिन परिश्रम, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणादायी मिसाल है। उनके आदर्शों और पद्धिचर्चों पर चलकर हमारे युवा खिलाड़ी खेल के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर देश और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकते हैं।

सांसद बुजमोहन को बहनों ने बांधे रक्षासूत्र



रायपुर। रायपुर सांसद बुजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को अपने परिवार की तीन पीढ़ियों के साथ हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर परिवार में उत्सव और खुशी का माहौल रहा। बहनों ने सांसद बुजमोहन अग्रवाल की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनके स्वस्थ, सुखी और दीर्घायु जीवन की कामना की। रक्षाबंधन के अवसर पर भाई-बहन के स्नेह और प्रेम की परंपरा को निभाते हुए बुजमोहन अग्रवाल ने भी अपनी बहनों का चरण वंदन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान परिवार की तीन पीढ़ियाँ एक साथ मौजूद रहीं और सभी ने मिलकर रक्षाबंधन की खुशियाँ साझा कीं।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष आज आएंगी रायपुर।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी 29 अगस्त को दोपहर 2 बजे स्वामी विवेकानंद विमानतल रायपुर पहुंचेंगी। जहां पार्टी के सदस्य उनका स्वागत करने पहुंचेंगे।

सुप्रीम कोर्ट और केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर राज्य साइबर अपराध समन्वय केंद्र स्थापित

ठगी के शिकार पीड़ितों की रकम वापस कराएगा एसफोरसी, महिला-बच्चों की खास सुरक्षा भी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ में आए दिन होने वाले साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए अब प्रदेश में राज्य साइबर अपराध समन्वय केंद्र के माध्यम से कार्रवाई होगी। सबसे खास बात ये है कि यह केंद्र उन लोगों की रकम वापस दिलाने का काम करेगा, जो अपनी रकम साइबर अपराधों में गंवा चुके हैं। यह इकाई महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले साइबर अपराधों की जांच के लिए विशेष सहायता की व्यवस्था भी करेगी। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में साइबर अपराध की रोकथाम, जांच, साइबर सुरक्षा और साइबर ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए राज्य साइबर अपराध समन्वय केंद्र (एसफोरसी) की स्थापना की गई है। इस केंद्र के लिए अधिकारियों की नई पदस्थापना भी हो चुकी है। यह केंद्र पुलिस मुख्यालय की तकनीकी सेवा शाखा के अंतर्गत कार्य करेगा और इसका नोडल अधिकारी पुलिस उपमहानिरीक्षक (तकनीकी सेवाएं) या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी होगा। यह व्यवस्था सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुपालन में लागू की गई है।



जागरूकता, प्रशिक्षण और पीड़ितों की सहायता पर भी जोर

नए केंद्र का उद्देश्य केवल साइबर अपराध की जांच तक सीमित नहीं रहेगा। इसके माध्यम से साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, पुलिस और संबंधित एजेंसियों का क्षमता निर्माण करने तथा साइबर ठगी के मामलों में कानूनी रूप से संभव होने पर ठगी गई राशि को फ्रीज कराने, वापस दिलाने और पीड़ितों की सहायता करने का काम भी किया जाएगा। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले साइबर अपराधों की जांच के लिए विशेष सहायता की व्यवस्था भी की गई है।

साइबर अपराध की निगरानी जांच पर रहेगा फोकस

आदेश के अनुसार, एसफोरसी पूरे राज्य में साइबर अपराध से जुड़े मामलों में समन्वय, विश्लेषण और कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। केंद्र राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से मिलने वाली शिकायतों के साथ-साथ पुलिस थानों में दर्ज मामलों की जांच की निगरानी भी करेगा, ताकि समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। इसके अलावा साइबर अपराध की जांच में तकनीकी, विश्लेषणात्मक और परिचालन सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

बैंकों और अन्य एजेंसियों से होगा समन्वय

एसफोरसी अंतर्राज्यीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध से जुड़े समन्वय तंत्र के लिए राज्य का नोडल केंद्र होगा। यह बैंकों, वित्तीय संस्थानों, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं, मध्यस्थों और सरकारी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर साइबर अपराधों के खिलाफ कार्रवाई को अधिक प्रभावी बनाने का काम करेगा। साथ ही पुलिस के डिजिटल ढांचे और साइबर सुरक्षा तंत्र को भी मजबूत किया जाएगा।

सात प्रमुख इकाइयों के साथ करेगा काम

एसफोरसी के तहत प्रशासन एवं समन्वय प्रकोष्ठ, 1930 कॉल सेंटर, राज्य साइबर पुलिस स्टेशन, साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला, साइबर सुरक्षा प्रमाण, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ ऑनलाइन अपराधों की रोकथाम प्रणाली तथा आधुनिक आईटी केंद्र जैसी सात प्रमुख इकाइयों कार्य करेंगी। केंद्र अपनी मासिक परिचालन और विश्लेषणात्मक रिपोर्ट छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक को सौंपेगा। आवश्यकता अनुसार रिपोर्ट भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र और केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी भेजी जाएगी।

कविता पाटीदार बोलीं- पीएम मोदी ने छग के विकास का हमेशा प्रयास किया



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कविता पाटीदार वे कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में विकास कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ से भी उनका विशेष लगाव है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के विकास के लिए हमेशा प्रयास किया है। आज छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरा नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। बस्तर में भी लगातार विकास हो रहा है। छत्तीसगढ़ अब विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में बढ़ रहा है। भाजपा की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में शामिल होने पहुंची डॉ. पाटीदार ने विमानतल पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के बेमिसाल सार्वजनिक व

प्रशासनिक कार्यकाल और उनकी उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक भाजपा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। इस एक माह के अभियान के दौरान केंद्र सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों, योजनाओं और ऐतिहासिक उपलब्धियों को घर-घर और जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। डॉ. पाटीदार ने केंद्र सरकार के योगदान की सराहना करते हुए कहा, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। इन्हीं दूरगामी प्रयासों और ठोस नीतियों का परिणाम है कि आज बस्तर नक्सल समस्या से मुक्त होकर शांति और विकास में मुख्याधारा से जुड़ रहा है। राज्य अब दोगुनी गति से विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प की ओर अग्रसर है।

विमानतल पर किया स्वागत
विमानतल पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सेवा संकल्प अभियान के प्रदेश संयोजक शशवंत जैन, भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिगढ़ी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल, सत्कार विभाग प्रदेश संयोजक आकाश विग, सह संयोजक पुष्पेंद्र सिंह, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कृतिका जैन, महिला मोर्चा जिला महामंत्री माया शर्मा, सहित पार्टी के सभी मोर्चों के प्रमुख पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैज बोले- आदिवासी, ओबीसी और अनुसूचित जाति का भी आरक्षण भाजपा के इशारे पर राजभवन में रोका गया

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश के आदिवासियों, अनुसूचित जाति और ओबीसी समुदायों को उनकी आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी देने के लिए ही नवीन आरक्षण संशोधन विधेयक सर्वसम्मति से पारित किया था, लेकिन भाजपाइयों की दुर्भावना ने छत्तीसगढ़ की 90 प्रतिशत आबादी की शिक्षा और रोजगार से जुड़ा यह महत्वपूर्ण विधेयक राजभवन में षडयंत्रपूर्वक लंबित रखा गया है। श्री बैज ने कहा, अब तो ईडब्ल्यूएस को पृथक से आरक्षण के प्रावधान के बाद आधे की अधिकतम सीलिंग हर राज्य में पार हो गई है और सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा है कि विधानसभा से पारित विधेयकों पर राजभवन को त्वरित निर्णय लेना चाहिए, अतः राज्यपाल से तुरंत हस्ताक्षर करने की मांग करें सरकार। कांग्रेस पर तथ्यहीन आरोप लगाने वाले भाजपाइयों को छत्तीसगढ़ के सर्वसमाज के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। पिछले साढ़े तीन साल से बहुसंख्यक आबादी के जो अधिकार राजभवन में बंधक हैं, उस पर तत्काल फैसला हो। श्री बैज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की बदनीयती के चलते ही पूर्ववर्ती सरकार द्वारा पारित 76 प्रतिशत आरक्षण विधेयक विगत ढाई-तीन साल से अधिक समय से



राजभवन में लंबित हैं। भाजपाइयों के षड्यंत्र के चलते ही छत्तीसगढ़ के बहुसंख्यक आबादी को, उनकी शिक्षा और रोजगार के अधिकार को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाले प्रावधान के 76 प्रतिशत आरक्षण से वंचित रखा गया है। पहले की भाजपा सरकार ने प्रदेश को अनुसूचित जाति का आरक्षण घटाया था, ओबीसी को उनके हक से वंचित करने का पाप किया था, आदिवासी हितों के खिलाफ षड्यंत्र रचे। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 32 प्रतिशत आरक्षण, अनुसूचित जाति के लिए 12 प्रतिशत से बढ़ाकर उनकी आबादी के अनुरूप 13 प्रतिशत आरक्षण और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान उस नवीन आरक्षण विधेयक 2022 में किया है। सभी वर्गों के गरीबी रखा से नीचे जीवनयापन करने वाले ईडब्ल्यूएस के लिए भी 4 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था उस विधेयक में है। भाजपा नेताओं के षड्यंत्र और दुर्भावना के चलते ही राजभवन की आड़ में आरक्षण विधेयक को लंबित रखा गया है।

आठ होटल-रेस्टोरेंट से लिए गए थे सब्जियों के ग्रेवी सहित अन्य के सैपल

खाएं पर संभलकर...कई होटलों में पनीर से लेकर बिरयानी तक खाने योग्य नहीं

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

लगातार महंगी हो रही भोजन की थाली के बीच होटल-रेस्टोरेंट में ग्राहकों को गुणवत्ताहीन खाना परोसा जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा विभिन्न इलाकों में की गई जांच के दौरान पनीर से लेकर चिकन बिरयानी तथा अन्य सब्जियों की ग्रेवी अमानक पाई गई है। इसी तरह यह भी पता चला कि बाजार में बिकने वाले हल्दी-मिर्च पावडर को भी सुख बनाने के लिए रंगों का उपयोग किया जा रहा है। एफडीए की टीम विशेष अभियान के अलावा समय-समय पर अभियान चलाकर बाजार में बिकने वाले पके तथा कच्चे खाद्य पदार्थों की जांच कर रही है। इस दौरान मिलावट का संदेह



होने पर इनके सैपल लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। जांच टीम ने कुछ समय पहले करीब डेढ़ सौ खाद्य उत्पादों के नमूने लेकर टेस्टिंग के लिए लैब तक भेजे थे। इनमें प्रतिष्ठानों में बिकने वाले खाद्य पदार्थ के अलावा होटल-रेस्टोरेंट और ढाबों में परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थ भी शामिल थे। जांच के बाद कड़्यों की रिपोर्ट अमानक पाई गई है, जिसमें लोगों की

पसंदीदा पनीर के अलावा अन्य तरह सब्जियां और चिकन बिरयानी शामिल है। वेज और नॉनवेज सब्जी तैयार करने के लिए जिन ग्रेवी का उपयोग किया जाता था, वह एक ही होती थी और उसके निर्माण में भी निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जाता था। इन्में बिलासपुर हाईवे पर स्थित गरिमा फैमली ढाबा में एग करी, नारायणपुर होटल ताजमहल की चिकन ग्रेवी, सक्ती के होलन हिमालय में वेज सब्जी की ग्रेवी, बस्तर के होटल लक्ष्मण अरीना, कांकेर के होटल सुंदरम तथा बिलासपुर के अलीमेटों में परोसे जाने वाले पनीर तथा बिरयानी हाउस फैमिली रेस्टोरेंट कोडगांव की चिकन बिरयानी और कोरबा के रिश बार एंड रेस्टोरेंट में पके चावल के

सैपल जांच में अमानक पाए गए थे। इस तरह कुछ क्षेत्रों में बिकने वाले मसालों को जांच दायरे में लाया गया था। इनमें रिवॉई एनजीओ अंबिकापुर और बेमेतरा के नवीन टेडर्स में हल्दी पावडर तथा पाला, महासमुंद के प्रवीण टेडर्स का टाल मिर्च पाउडर जांच में असुरक्षित पाया गया था।

जांच जारी, अमानक मामले में कार्रवाई

खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता को परखने लगातार जांच की जा रही है। प्रयोगशाला जांच में असुरक्षित एवं अमानक पाए गए खाद्य पदार्थों के संबंध में संबंधित खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। - दीपक अग्रवाल, निर्यंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन

डेयरी शॉप में भी पनीर अमानक

एफडीए के अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंध के बाद एनालॉग सहित दूध से बने खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है। उदाए गए विकिन्व स्थानों के सैपल में कई अमानक भी पाए गए हैं। इनमें कोरबा के न्यू मां कलिका स्वीट्स से पनीर एवं खोवा, नमो ट्रेडिंग राजनांदगांव से चीज एनालॉग, श्री दूध डेयरी कोरबा, संतोष डेयरी खरसिया, गैड विरेटा प्राइवेट लिमिटेड राजनांदगांव, मां शारदा डेयरी एवं डेलीनईस, गौरेला-पेंडा-मरवाहा में बिकने वाले पनीर को अमानक पाया गया था।

31 खाद्य सैपल में मिली अनियमितता

त्योहारी सीजन में आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत विभिन्न जिलों से संबद्ध किए गए खाद्य नमूनों में से लगभग 150 खाद्य उत्पादों के नमूनों की प्रयोगशाला में जांच कराई गई। प्राप्त जांच रिपोर्टों में विभिन्न खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता संबंधी कमियां पाई गई हैं। 31 प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, 7 पनीर नमूने असुरक्षित तथा अन्य खाद्य एवं क्लिक उत्पादों के 24 नमूने अमानक/मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए हैं।

तेईसवीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती शांति देवी हलवाई
29.08.2004 तिथि श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा

“पहले जब आंसु आते थे तब तुम याद आती थी
अब तुम याद आती हो और फिर आंसु आते हैं”

आपको हमारी अश्रुपुरित श्रद्धांजलि

रविन्द्र - मेहा हलवाई (पुत्र-पुत्रवधु) रमन - संगीता हलवाई (पुत्र-पुत्रवधु) एवं समस्त परिजन व हरिभूमि परिवार

लाइव इवेंट

भक्ति प्रस्तुतियों ने मोहा मन, 11 दिवसीय महोत्सव में शामिल हो रहे 27 मंडल



रायपुर। नवकार नगर स्थित श्री मुनिसुवत स्वामी जिनालय एवं दादाबाड़ी में आयोजित दादा गुरुदेव एकतीसा भक्ति महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धालु भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम की शुरुआत विमल महिला मंडल की सदस्यों ने दादा गुरुदेव के एकतीसा पाठ से की। इसके बाद विभिन्न महिला मंडलों ने भावपूर्ण एवं भक्तिमय प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। प्रस्तुतियों से पूरा वातावरण गुरु भक्ति के रंग में रंग गया। महोत्सव के तहत आयोजित महाभक्ति प्रतियोगिता में विभिन्न मंडलों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर दादा गुरुदेव के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति अर्पित की। प्रतियोगिता में पंच ग्रुप ने प्रथम, समृद्धि महिला मंडल ने द्वितीय और जागृति बहु मंडल, रायपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता मंडलों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। भक्तिमय एवं संस्कारमय प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

महाभक्ति प्रतियोगिता दिए जाएंगे पुरस्कार

यह 11 दिवसीय महोत्सव मंदिर की प्रतिष्ठा के बाद पहली बार आयोजित किया जा रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से 27 मंडल शामिल हो रहे हैं। महाभक्ति प्रतियोगिता में प्रतिदिन प्रथम विजेता मंडल को 11 हजार रुपए, द्वितीय को 5,100 रुपए और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मंडल को 3,100 रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। महोत्सव के अंतिम दिन महाविजेता मंडल को 51 हजार रुपए का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। महोत्सव के दौरान दादा गुरुदेव की आराधना, एकतीसा पाठ और भक्ति के विभिन्न आयोजन होंगे। आयोजकों का उद्देश्य समाजजनों को धर्म, संस्कार और आध्यात्मिक साधना से जोड़ना है। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में अशोक जी चोपड़ा और रेखा जी राय सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहें।

सिटी इवेंट

विमलनाथ जैन मंदिर में कल से गुंजेगा नमस्कार महामंत्र



रायपुर। धर्म नगरी रायपुर की पुण्य धरा पर आगामी रविवार को आध्यात्मिक एवं धार्मिक वातावरण में एक विशेष आयोजन होने जा रहा है। श्री विमलनाथ जैन श्रद्धालु मंदिर ट्रस्ट सहित विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में 'श्री नमस्कार महामंत्र जाप एवं संकल्प अनुष्ठान' का आयोजन किया जाएगा। इस पावन अवसर पर श्रद्धालु सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र का जाप कर आध्यात्मिक शक्ति, आत्मशुद्धि एवं मंगल संकल्प के सहभागी बनेंगे। श्री विमलनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में आयोजित होने वाला यह धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धालुओं के लिए विशेष आध्यात्मिक अनुभूति का अवसर होगा। कार्यक्रम में तपस्वी रत्न, प्रखर प्रवचनकारिका सरल हृदया परम पूज्य साध्वीवर्या श्री सिद्धांतज्योति श्री जी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा प्राप्त होगी।

नवकार महामंत्र जाप से आध्यात्मिक वातावरण होगा भक्तिमय

नवकार महामंत्र जैन धर्म की साधना परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं पवित्र मंत्र माना जाता है। इस महामंत्र के सामूहिक जाप के माध्यम से श्रद्धालु पंच परमेष्ठी को नमन करते हुए अपने जीवन में शांति, संयम, सद्भाव और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का संकल्प लेंगे। आयोजन का उद्देश्य धर्म एवं आध्यात्मिकता से जुड़कर आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ना तथा समाज में धार्मिक चेतना को मजबूत करना है। आयोजकों ने बताया कि चौदह पूर्व का है सार, देता है सुख अपार' की भावना के साथ नवकार महामंत्र के जाप एवं संकल्प अनुष्ठान में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। सामूहिक जाप के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहने की संभावना है। यह विशेष धार्मिक आयोजन सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगा।



घर-घर मना रक्षाबंधन, मॉल, सिनेमाघर और रेस्टोरेंट में भी रही भीड़

रिश्तों में घुला अपनापन, भाइयों की कलाई से लेकर पौधों-पेट्स और वृद्धाश्रम तक पहुंचा प्यार

भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को राजधानी में उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से देर रात तक शहर के घरों में रक्षाबंधन की रौनक रही। खासकर छोटे बच्चों में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनकी सुख-समृद्धि व लंबी उम्र की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा और हर सुख-दुख में साथ देने का वादा किया।

रायपुर। रक्षाबंधन को लेकर शहर में दिनभर चहल-पहल बनी रही। दोपहर बाद सिनेमाघरों, मॉल और रेस्टोरेंट में भी लोगों की भीड़ नजर आई। परिवारों ने साथ समय बिताया और पर्व का आनंद लिया। इस बार लोगों ने रक्षाबंधन को कुछ अलग अंदाज में भी मनाया। भाई-बहन के रिश्ते के साथ लोगों ने अपने पालतू पशुओं और पौधों को भी राखी बांधकर उनके प्रति प्रेम और संरक्षण का संदेश दिया। कई युवाओं ने वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों के साथ रक्षाबंधन मनाया और उनके साथ खुशियां साझा कीं।

रक्षाबंधन पर वरिष्ठ नागरिकों के साथ विद्यार्थियों ने साझा की खुशियां

रक्षाबंधन के अवसर पर रिश्तों में प्रेम, सम्मान और अपनत्व का संदेश देते हुए हेलपेज इंडिया ने स्टूडेंट्स एक्शन फॉर वैल्यू एजुकेशन के अंतर्गत कांगार वैली अकादमी के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ लॉरेस, आश्रय वृद्धाश्रम, रायपुर के वरिष्ठ नागरिकों के बीच रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता के साथ मनाया। कार्यक्रम में युवा पीढ़ी और वरिष्ठ नागरिक एक साथ आए और एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं। विद्यार्थियों ने वरिष्ठ नागरिकों को राखी बांधी और उनके साथ समय बिताकर त्योहार की खुशियों को यादगार बनाया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों के चेहरों पर भी उत्साह और खुशी नजर आई। इस अवसर पर कांगार वैली अकादमी की शिक्षिकाओं एवं शिक्षक उथरा राजेश, चंद्रशेखर, शिवी दुबे और रोशनी तिकी की गरिमामयी उपस्थिति और सहयोग रहा। हेलपेज इंडिया ने कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।



केंद्रीय जेल में 3,297 बहनों ने 1,424 बंदी भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर केंद्रीय जेल रायपुर में भाई-बहन के स्नेह और विश्वास की भावुक तस्वीरें देखने को मिलीं। जेल में बंदियों को रक्षाबंधन के पर्व पर अपने परिजनों से मिलने और राखी बंधवाने का अवसर दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में बहनों ने जेल पहुंचकर अपने बंदी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके सुख, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जेल प्रशासन के अनुसार, रक्षाबंधन के अवसर पर 1,424 पुरुष बंदियों को 3,297 बहनों ने राखी बांधी। वहीं जेल में निरुद्ध 34 महिला बंदियों को 55 भाइयों ने राखी बांधी। इस दौरान भाई-बहन के बीच भावनात्मक मुलाकात का माहौल रहा।

सुरक्षा के बीच की गई मुलाकात की व्यवस्था

रक्षाबंधन को देखते हुए केंद्रीय जेल प्रशासन ने परिजनों की मुलाकात के लिए विशेष व्यवस्था की थी। जेल में प्रवेश से पहले आगंतुकों का पंजीयन किया गया। इसके बाद पहचान पत्र का सत्यापन, टोकन व्यवस्था और सुरक्षा जांच की प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही उन्हें जेल परिसर में प्रवेश दिया गया बहनों और अन्य परिजनों के लिए निर्धारित प्रतीक्षालय की व्यवस्था की गई थी। मुलाकात के दौरान भीड़ और अव्यवस्था से बचने के लिए परिजनों को क्रमबद्ध तरीके से बंदियों से मिलने की अनुमति दी गई। सुरक्षा और अनुशासन बनाए रखने के लिए जेल स्टाफ के साथ पर्याप्त सुरक्षा बल भी तैनात रहा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने बांधी राखी

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सविता दीदी ने मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के सुख, समृद्धि एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने रक्षाबंधन के पर्व के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए प्रेम, सद्भाव और सकारात्मक सोच के साथ समाज एवं प्रदेश के विकास में योगदान देने का संदेश दिया।

अवाम-ए-हिन्द कार्यालय में सजा भाई-बहन के प्रेम का उत्सव

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर रायनगर स्थित अवाम ए हिन्द सोशल वेलफेयर कमेटी के कार्यालय में भाई-बहन के प्रेम और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। संस्था की ओर से हर वर्ष की तरह इस बार भी रक्षाबंधन का पर्व उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस दौरान बहनों ने संस्थापक मोहम्मद सज्जाद खान की कलाई पर राखी बांधी। संस्था के सदस्यों ने बताया कि अवाम ए हिन्द सोशल वेलफेयर कमेटी पिछले करीब छह वर्षों से लगातार जरूरतमंदों की सेवा में जुटी है। संस्था द्वारा फूटपाथ पर रहने वाले बेसहारा लोगों, अस्पतालों में मर्ती जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजनों को भोजन सहित आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

वृक्ष को बांधी राखी, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

रक्षाबंधन के अवसर पर अखंड बाहमण समाज सेवा समिति ने पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए अनूठे तरीके से पर्व मनाया। समिति के सदस्यों ने वृक्ष की पूजा-अर्चना कर उसे राखी बांधी और वृक्षों की रक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष योगेश तिवारी ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, तभी जीवन भी सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। समिति के सदस्यों ने वृक्ष की परिवार के सदस्य के समान मानते हुए उसकी पूजा की और रक्षाबंधन के अवसर पर राखी बांधकर उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. किरण शर्मा, मुक्ता तिवारी, दीपा द्विवेदी, के.के. द्विवेदी, अथर्व तिवारी, हर्षद द्विवेदी, विनय तिवारी, गरिमा शर्मा और रश्मि शर्मा सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कभी नक्सलवाद के नाम से पहचाना जाता था छत्तीसगढ़, अब पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है राज्य

5 साल में 10 गुना बढ़े छत्तीसगढ़ में पर्यटक, 30 लाख से बढ़कर 3.14 करोड़ तक पहुंचे सैलानी, बस्तर बना पहली पसंद



रायपुर। एक वक्त था जब छत्तीसगढ़ का नाम आते ही लोगों के जेहन में घने जंगल, नक्सलवाद और हिंसा की तस्वीर उभरती थी। राज्य के कई खूबसूरत इलाकों में जाने से लोग डरते थे। लेकिन अब तस्वीर तेजी से बदल रही है। जिन जंगलों और पहाड़ों को कभी सुरक्षा के सवाल से जोड़कर देखा जाता था, आज वही प्राकृतिक खूबसूरती पर्यटकों को अपनी ओर खींच रही है। बस्तर के झरने हो, जंगल हो या छत्तीसगढ़ के दूसरे पर्यटन स्थल, अब देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां पहुंच रहे हैं। साल 2020 में जहां राज्य में करीब 30.13 लाख पर्यटक पहुंचे थे, वहीं 2021 में यह संख्या बढ़कर 1.15 करोड़ हो गई। 2022 में करीब 2.36 करोड़, 2023 में 2.60 करोड़ और 2024 में लगभग 3.14 करोड़ पर्यटक छत्तीसगढ़ पहुंचे। कुछ ही वर्षों में पर्यटन का आंकड़ा कई गुना बढ़ गया।



दूसरे राज्यों से भी आगे पहुंचा छत्तीसगढ़ में पर्यटन

छत्तीसगढ़ में बढ़ते पर्यटन की तस्वीर दूसरे राज्यों के आंकड़ों से तुलना करने पर और स्पष्ट होती है। हिमाचल प्रदेश में 2020 में करीब 22 लाख, 2021 में 56 लाख, 2022 में 1.51 करोड़ और 2023 में 1.60 करोड़ पर्यटक पहुंचे थे। वहीं जम्मू-कश्मीर में 2020 में करीब 53 लाख, 2021 में 56 लाख, 2022 में 1.92 करोड़ और 2023 में 2.25 करोड़ पर्यटकों की आवाजाही दर्ज की गई। दूसरी ओर, गोवा में 2023 में करीब 86 लाख पर्यटक पहुंचे थे। इन राज्यों के मुकाबले छत्तीसगढ़ में पर्यटकों की संख्या में बीते कुछ वर्षों में जिस तेजी से इजाफा हुआ है, वह राज्य के बदलते पर्यटन परिदृश्य को दिखाता है। 2024 में छत्तीसगढ़ में करीब 3.14 करोड़ पर्यटकों का पहुंचना इस बदलाव की बड़ी तस्वीर पेश करता है।

इस मानसून टूट सकता है रिकॉर्ड

मानसून छत्तीसगढ़ के पर्यटन के लिए खास मौसम माना जाता है। बारिश के बाद राज्य के जंगलों, पहाड़ों और झरनों की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है। यही वजह है कि इस बार मानसून में पर्यटकों की संख्या को लेकर उम्मीदें काफी बड़ी हैं। बताया जा रहा है कि हर महीने करीब 20 लाख तक पर्यटक राज्य के अलग-अलग पर्यटन स्थलों तक पहुंच रहे हैं। अगर यह रफ्तार बनी रही तो इस मानसून में पर्यटन का नया रिकॉर्ड बन सकता है। देश के दूसरे हिस्सों से भी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ रही है।

नक्सल प्रभावित इलाकों की बदल रही पहचान

छत्तीसगढ़ के जिन इलाकों को लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण देश की पर्यटन नक्शे से दूर माना जाता था, अब उन्हीं इलाकों की प्राकृतिक खूबसूरती लोगों को आकर्षित कर रही है। बस्तर की वादियां, झरने, जंगल, आदिवासी संस्कृति और प्राकृतिक पर्यटन स्थल सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। पर्यटकों की बढ़ती संख्या का सीधा फायदा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिल रहा है। होटल, होम-स्टे, रेस्टोरेंट, टैक्सी, स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों से जुड़े लोगों के लिए रोजगार और कमाई के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

- सोमिल रंजन चौबे, एमडी पर्यटन विभाग

भोजली महोत्सव की धूम बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में दिनभर रही। जहां गोंडी संस्कृति एवं पारंपरिक लोक-जीवन का खूबसूरत वातावरण निर्मित हुआ। सुबह 9 बजे से देर-शाम तक भोजली महोत्सव से जुड़ी परंपराओं का निर्वहन महिलाओं एवं युवतियों ने किया। महोत्सव का रंग ताब चढ़ा, जब शाम 4 बजे सैकड़ों महिलाएं एवं युवतियां सिर पर बांस की टोकरियों में उगाई गई हरी-भरी भोजली को पारंपरिक गीत गाते हुए स्टेडियम से विसर्जन के लिए लेकर निकलीं। इस बीच युवा लाठी चालन करते हुए जहां शौर्य प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़े। वहीं नर्तक दल ने लोक गीतों की धुन पर नृत्य प्रस्तुत किया।

रायपुर। भोजली दाई की जय हो...सावन का महिना, सबके मन ला अडबड भावे, हमर भोजली दाई की शीतल छांद, सबो बाहर छाये और देवी गंगा, देवी गंगा, लहर तु गंगा...जैसे लोक गीत गाते हुए पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ जहां गायन करते हुए कलाकारों की टोली भोजली महोत्सव की कड़ी में निकाली गई शोभायात्रा में आकर्षण का केन्द्र रही। वहीं इससे पहले गुरुवाणी सहले कीजिए कि गोंड हूं, यह सच है कि गोंड हिन्दू नहीं है। जैसे प्रेरक संदेश से समाज के लोगों को समाज प्रमुखों ने संबोधित किया। इसके बाद आर्मात्रित अतिथियों में पूर्व सीएम भूपेश बघेल, विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित पाली नगर पालिक परिषद की पूर्व अध्यक्ष दुलेश्वरी सिदार मंचस्थ रही। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष सोनऊ धुवे और कोषाध्यक्ष चंदन मरकाम ने बताया कि आदिम संस्कृति विश्व संस्कृति की जननी है। वहीं भोजली माता देश के मूल संस्कृति में से एक है।

● गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति ने बूढ़ापारा स्थित इंडोर स्टेडियम में किया आयोजन, जुटा गोंड़ समाज

सिर पर बांस की टोकनी में भोजली संग निकलीं महिलाएं शौर्य प्रदर्शन और नर्तक दल ने भी महोत्सव में जमाया रंग



संस्कृति को बचाने के लिए 21वें वर्ष भी आयोजन

भोजली माता को छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि बिहार, मध्यप्रदेश, उ.प्र., ओडिशा, झारखण्ड व महाराष्ट्र इत्यादि प्रांतों में बोयी जाती है। इस महोत्सव को विभिन्न नामों से जाना जाता है। जैसे बिहार भोजलिया, कजरी उत्तरप्रदेश कजरी, कजरिया व भोजलिया, उड़ीसा भोजली, झारखण्ड भोजली, कजरी, महाराष्ट्र कजरी, भुजलिया, भोजली कहा जाता है। अनादिकाल से चली आ रही बहुमूल्य परंपरा विलुप्त होने की कगार पर थी। पुनर्जीवित व अक्षुण्य रखने के उद्देश्य से सावन महिने की पूर्णिमा तिथि पर विगत 21 वर्षों से श्रद्धेय गोंडवाना गुरुदेव दुर्गे भगत, जगत सिद्धार, गुरुमाता दुर्लेश्वरी सिदार के सानिध्य में गोढी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति, गोंडवाना संघ युवा प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा राज्य के संयुक्त तत्वावधान में भोजली महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है।



सामाजिक सौहार्द, बंधुत्व की भावना को बढ़ावा देना

समिति के प्रीतम सिंह ठाकुर ने बताया कि माता-बहनों 8 दिनों तक अपने-अपने घरों में माता की सेवा अर्जी करती है। माता-बहनों वत रखकर पूर्णिमा को अपने-अपने घरों से सम्मान पूर्वक भोजली माता को इंडोर स्टेडियम लेकर आती है। यहां सामूहिक सेवा अर्जी के बाद बूढ़ा तालाब में सरोवर स्नान कराती है। इसी श्रृंखला में बूढ़ा तालाब की परिक्रमा करते हुए कार्यक्रम स्थल पर वापसी के बाद अपने-अपने घरों के लिए रवाना होती है। इस महोत्सव का उद्देश्य समाज को संगठित करना, भोजली माता की सांस्कृतिक एवं आयुर्वेदिक महत्व को बताना, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति लोगों को जागृति करना, समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम, सामाजिक सौहार्द और विश्व बंधुत्व की भावना को बढ़ावा देना है।

समाज लाइव

नीति आयोग भवन में ब्राह्मण सभा ने की सामाजिक चर्चा



रायपुर। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के एक प्रतिनिधि मंडल ने छत्तीसगढ़ के नीति आयोग उपाध्यक्ष से नवा रायपुर स्थित नीति आयोग भवन में चर्चा की। सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के संरक्षक एवं उपाध्यक्ष नीति आयोग गणेश शंकर मिश्रा से समाज के प्रमुख लोगों ने मेटे की। इस अवसर पर कई सामाजिक विषयों पर चर्चा के साथ आने वाले समय में होने वाले आयोजनों पर मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री मिश्रा ने समाज के अध्यक्ष डॉ. सुशेन शुक्ला एवं वरिष्ठ सदस्य अवध बिहारी दुबे पूर्व संचालक शिक्षा का शाल, श्रीफल से कार्यालय आने पर सम्मान किया। समाज के युवा सदस्य ममंक अवस्थी को करटे प्रतियोगिता में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने पर मंडल पहनाते हुए प्रणाम पत्र देते हुए उत्सव मंच विधियों के लिए कामना की।

युवाओं-विद्यार्थियों को शिक्षा एवं संस्कार से जोड़ने प्रयास

उन्होंने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि समाज के हर सदस्य के लिए हमेशा उपलब्ध हूं। जब जहां मेरी आवश्यकता होगी हमेशा उपलब्ध रहूंगा। प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष डॉ. शुक्ला, वीके मिश्रा महासचिव, राजेंद्र शर्मा कोषाध्यक्ष, वैजनाथ मिश्रा प्रदेश संयोजक एवं युवा मंडल, अवध बिहारी दुबे वरिष्ठ सदस्य, सत्यनारायण शर्मा, शिव कुमार मिश्रा, संगम पिपाठी ने समाज के लिए संचालित किए जाने वाले आयोजनों के साथ ही युवाओं और विद्यार्थियों की शिक्षा एवं संस्कार से जोड़ने के लिए किए जाने वाले प्रयास से भी अवगत करवाया। वहीं विमलेंद्र तिवारी, प्रवीण चौबे, भागवत तिवारी और दिनेश शुक्ला ने छात्रवृत्ति एवं प्रतिभा प्रोत्साहन के संदर्भ में बताया।

सिटी लाइव

इंटर-स्कूल प्रतियोगिता चमक के लिए 6 सितंबर को सजेगा मंच

रायपुर। सामाजिक सेवा के लिए समर्पित संस्था रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कॉस्मोपॉलिटन वर्षभर समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण एवं उत्थान के लिए कई सेवा से जुड़ी गतिविधियों, जनहित में आयोजनों और सामाजिक पहल करती है। इसी सेवा भावना और बच्चों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए क्लब ने अपने प्रतिष्ठित इंटर-स्कूल आयोजन चमक के 25वें संस्करण का आयोजन किया। समता कॉलोनी स्थित मैक कॉलेज, समता कॉलोनी में 6 सितंबर को करने जा रहा है। इसका शुभारंभ सुबह 8 बजे किया जाएगा। चमक का मूल उद्देश्य हर वर्ग और हर स्तर के विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के व्यक्तित्व विकास का एक समान मंच प्रदान करना है।



स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने देंगे अवसर

इस प्रकार चमक केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर देने की रोटरी क्लब की एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल है। वर्षों से चमक ने छत्तीसगढ़ के सबसे बहुप्रतीक्षित इंटर-स्कूल आयोजनों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। अब अपने 25वें संस्करण में प्रवेश करते हुए चमक विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों से आगे बढ़कर बौद्धिक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने के लिए अवसर प्रदान करने अपनी परंपरा को आगे बढ़ा रहा है।

कार्न न्यूज

रायपुर। सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज केन्द्रीय समिति की पहल पर किए गए आयोजन में उत्साह का माहौल रहा। मुख्य अतिथि के रूप में महापौर मीनल चौबे, वरिष्ठ समाज सेवी की धर्म पत्नी रेखा संतोष पांडेय ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद अतिथियों का स्वागत केन्द्रीय समिति की छत्तीसगढ़ महिला प्रकोष्ठ की प्रान्त अध्यक्ष डॉ. संध्या तिवारी ने हरियाली तीज को देखते हुए सेवती का वेणी लगाकर फूल मालाओं से किया। सांस्कृतिक आयोजन की कड़ी में तीज कवीन का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं द्वारा प्रतियोगिता में भाग लिया गया। इसमें हर उम्र की बालिकाओं और महिलाओं ने मनमोहक प्रस्तुति देते हुए आयोजन को यादगार बनाने का प्रयास किया। एकल, युगल और सामूहिक नृत्य ने सावन हरियाली कवीन प्रतियोगिता को और भी आकर्षक बनाया।



अफसाना लिख रही हूं दिले बेकरार का..

निर्णायक डॉ. शुभा मिश्रा, अंकिता तिवारी, दीपाली पांडे रही। आयोजन की संरक्षक ममता तिवारी, सतीश शर्मा, विजयलक्ष्मी शर्मा, सीमा शर्मा, प्रीति शर्मा महासचिव साधना दुबे, अनुरिमा शर्मा और सभी सदस्यों ने उत्साह से भाग लिया। वहीं सावन हरियाली तीज की विनर इंद्रणी शर्मा रही। जुनियर में कटेगरी में शोभा शर्मा विजेता रही। मुख्य अतिथि की मनमोहक प्रस्तुति ने उत्सव में अफसाना लिख रही हूं दिले बेकरार का... गाते हुए चार चांद लगा दिए। इसके बाद महापौर ने भी अपने रीमिक्स गीतों पर डांस करते हुए लोगों को खुशनुमा माहौल दिया।

अलग-अलग वर्ग ने नृत्य से बिखेरा जलवा

सभी प्रतियोगिता में सीनियर और जूनियर कटेगिरी रखी गई थी। एकल नृत्य में वैदेही शर्मा रिद्धि, रिद्धि, वृद्धि शुक्ला ने भाग लिया। वहीं युगल नृत्य में समृद्धि रिक्तिका... मुरकान सोन्या... सामूहिक नृत्य में इंद्रणी शर्मा,रश्मि शर्मा, निधि शर्मा, सुनीता शर्मा अपूर्वा शर्मा अभिलाषा शर्मा और शोभा शर्मा एवं निधि ने भाग लिया। 11 वर्ष से 65 वर्ष की बालिकाएं एवं महिलाएं प्रतिभागी बनीं। तरुण शर्मा और एसके शर्मा, डा. विजय तिवारी ने एकल गायन प्रस्तुत किया। कराओके से सावन के गीत गाते हुए समां बांधा। उत्सव में अपर कलेक्टर आमा तिवारी, अतिरिक्त एसपी चंचल तिवारी व निमिषा पांडे, फिल्म विकास निगम की सदस्य प्रसन्ना अवस्थी, समाज की सारक्षिका ममता शर्मा, पूर्व अध्यक्ष विजयलक्ष्मी शर्मा और आकांक्षा दुबे को भी सम्मानित किया गया।

वृंदावन हॉल में छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज केंद्रीय समिति ने किया आयोजन, जुटी समाज की महिलाएं

एकल, युगल और सामूहिक नृत्य से सजाया सावन उत्सव, प्रतिभागियों में हरियाली कवीन बनने उत्साह

विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में दिखाई अपनी प्रतिभा

रायपुर। सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर राखी, मेहंदी और रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके चलते विद्यालय में उत्साह का माहौल रहा। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लेकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा को उकेरते हुए अपनी प्रतिभा व कला का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच आपसी भाई-चारे एवं सम्मान की भावना को बढ़ावा देना था। साथ ही समाज में मनाए जाने वाले त्योहारों के महत्व को समझना और उनसे जुड़े रहना सिखाया गया। इसमें प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने मेहंदी और रंगोली के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।



हुनर को उजागर करते हुए हौसला आफजाई

दूसरी ओर प्रतियोगिता के द्वारा विद्यार्थियों ने विभिन्न कलाओं के प्रति रुचि एवं उनकी हुनर को उजागर करते हुए उनका हौसला आफजाई किया गया, ताकि वे स्वयं कला के प्रति समर्पित कर सकें। प्रतियोगिताओं में कक्षा स्तर पर विद्यार्थी विजेता बने। इस प्रतियोगिता का आयोजन कलेक्टर विभाग की इंचार्ज उमा जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसके साथ ही सभी शिक्षक- शिक्षिकाओं ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया जिसमें विद्यार्थियों की टीम ने प्रतिभागियों को जरूरी सामग्री और सुविधा उपलब्ध कराने में भागीदारी निभाते हुए निर्णायकों का सहयोग किया।

वास्तु टिप्स

जीवन में सुख-समृद्धि लाते हैं वास्तु के ये आसान उपाय



अक्सर वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर का निर्माण कराया जाता है। साथ ही घर की सभी चीजों को वास्तु के आधार पर ही रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि यदि वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार कार्य ना किए जाएं तो घर में कलेश व आर्थिक तंगी बनी रहती हैं। हमारे आसपास रखी चीजें हमारे जीवन पर प्रभाव डालती हैं। वास्तु का सीधा संपर्क हमारे जीवन से जुड़ा होता है। कई बार हम कुछ ऐसे सामान की खरीदारी कर लेते हैं, जिन्हें वास्तु शास्त्र में अशुभ माना गया है। कई बार ये चीजें हमारी तरक्की के मार्ग में नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। ऐसे में जरूरी है कि घर में रखी सभी चीजों को वास्तु के अनुसार रखा जाए। ऐसा करने से तरक्की के नए मार्ग खुल सकते हैं। क्योंकि ऐसा माना जाता है वास्तु के नियमों का पालन करने से तरक्की के अवसर प्राप्त किए जा सकते हैं। इसी कड़ी में आइए जानते हैं कि वास्तु के किन उपायों के करने से तरक्की के मार्ग खुल जाते हैं।

तुलसी का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में पेड़-पौधों को लगाना शुभ माना गया है। हालांकि, इनमें तुलसी का अहम स्थान है। दरअसल वास्तु के मुताबिक हर घर में तुलसी का पेड़ होना बेहद जरूरी है। कहा जाता है कि जिन घरों में तुलसी का पौधा होता है, वहां पर खुशहाली रहती है।

घी का दीपक



या दुकान के पूजा स्थल पर रोजाना घी का दीपक जलाना चाहिए। इसके अलावा शाम की पूजा के दौरान कपूर जलकर आरती करनी चाहिए। ऐसा करने से उस स्थान पर सकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है।

इस जगह पर न रखें झाड़ू

धार्मिक मान्यता है कि, कभी भी घर के मुख्य द्वार पर झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। इससे मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं। वास्तु शास्त्र में भी इस बात का जिक्र है कि, मुख्य द्वार या उसके आस-पास झाड़ू नहीं रखनी चाहिए। इससे घर में कलेश बढ़ता है। साथ ही घर में सुख-शांति नहीं आती है।

जूते बर्तन छोड़ना

वास्तु शास्त्र के अनुसार, इंसान को कभी भी रात के जूते बर्तन रसोईघर में नहीं छोड़ने चाहिए। ऐसा करने से घर में कंगाली आती है। ऐसी मान्यता भी है कि, रात के जूते बर्तन को छोड़ने से पूर्वज नाराज हो जाते हैं और घर का सुख चैन समाप्त हो जाता है।

यहां कभी न उतारे जूते-चप्पल

आमतौर पर कुछ लोग अपने बेडरूम में चप्पल ले जाते हैं। हालांकि, ऐसा करना गलत है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जूते-चप्पल हमेशा घर के बाहर निकालने चाहिए। साथ ही एक निश्चित स्थान पर उन्हें सही से रखना चाहिए। ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

कूड़ेदान को हमेशा ढक कर रखें



का प्रमुख स्रोत होता है। अतः कूड़ेदान को यथासंभव ऐसे स्थान पर ढक कर रखना चाहिए जहां उस पर दृष्टि न पड़े।

रात्रि में कपड़े बाहर न सुखाएं

प्रचलित मान्यताओं के अनुसार रात्रि में नकारात्मक ऊर्जाएं भ्रमण करती हैं। भ्रमण के दौरान ये अपनी ऊर्जा सूरखते हुए कपड़ों में छोड़ देती हैं। जब हम उन कपड़ों को पहनते हैं तब उन आत्मों की दूषित या नकारात्मक ऊर्जा हमारे लिए दुर्भाग्य लेकर आती है।

दरवाजों के ऊपर कैलेण्डर न लटकाएं

मुख्य द्वार पर टंगा कैलेण्डर घर के सदस्यों की आयु पर बुरा प्रभाव डालता है। घर में नुकुली वस्तुएं जैसे, कैची, छुरी, कांटे, चाकू, पेचकस आदि को खुले स्थान पर नहीं रखना चाहिए। जहां पर ऐसा होता है, वहां पर कलेश पूर्ण वातावरण बन जाता है।

कोई भी धारदार वस्तु उपहार में न दें

-धारदार वस्तुओं के नुकुले किनारे विपैले बाणों का काम करते हैं और नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। यह ऊर्जा दो मित्रों के परस्पर संबंध और मित्रता को शत्रुता में बदल सकती है।

नमी भरे इस मौसम में कान पर ध्यान देना जरूरी

कानों में आती रहती है घंटी बजने जैसी आवाज तो रहें सावधान, इशारा हो सकता है गंभीर बीमारी का

हमारे शरीर के सभी अंग आपस में एक दूसरे से कनेक्टेड होते हैं, यही कारण है कि किसी एक अंग में होने वाली समस्या के कारण पूरा शरीर प्रभावित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हम सभी अक्सर हृदय-फेफड़े जैसे अंगों में होने वाली समस्याओं को लेकर तो अलर्ट रहते हैं और इसे ठीक रखने के लिए प्रयास भी करते रहते हैं, पर आंख-कान जैसे अंगों की सेहत पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता है। हालांकि इन अंगों में होने वाली समस्याओं के कारण भी शरीर में गंभीर दुष्प्रभावों का जोखिम हो सकता है। आज हम कान में अक्सर घंटी बजने जैसी आवाज आने की समस्या के बारे में जानेंगे। क्या आप भी इस तरह की दिक्कत महसूस करते रहते हैं? अगर हां तो तुरंत अलर्ट हो जाइए, कहीं ये टिनिटस की दिक्कत तो नहीं है?

कानों की इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान दिए जाने की जरूरत होती है क्योंकि जिन कारणों से ये समस्या विकसित होती है, उसके दीर्घकालिक जोखिम हो सकते हैं।

टिनिटस की समस्या के बारे में जानिए

कानों में आवाज आने की समस्या यानी टिनिटस के कारण आप अपने एक या दोनों कानों में घंटी बजने या शोर जैसी आवाज



का अनुभव कर सकते हैं। आप जो आवाज सुनते हैं वह किसी बाहरी ध्वनि के कारण नहीं होता है और अन्य लोग इसे नहीं सुन सकते हैं। टिनिटस बहुत आम सी समस्या है और यह लगभग 15% से 20% लोगों को प्रभावित करती है। विशेषरूप से वृद्ध लोगों में इसके होने का खतरा अधिक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टिनिटस आमतौर पर किसी अंतर्निहित समस्या के कारण हो सकती है जिसपर ध्यान देना और इलाज कराना बहुत आवश्यक हो जाता है।

कान में चोट या संक्रमण हो सकती है वजह

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टिनिटस आमतौर पर किसी अंतर्निहित समस्या जैसे उम्र से संबंधित सुनने की बीमारी, कान में चोट या संक्रमण,



एथलीट की दिनचर्या में शामिल होना चाहिए योग-ध्यान, मिलेगा परिणाम

भिलाई। जाने-माने योग गुरु और एथलीट आर्द बिंदु माधव ने खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास के लिए योग व ध्यान को आवश्यक रूप से शामिल करने की वकालत की है। एथलीटों के बीच एक आयोजन में उन्होंने कहा कि जब हम खेल को अध्यात्म की तरह देखने लगेंगे तो सफलता निश्चित तौर पर मिलेगी। उन्होंने कहा कि अनुशासन, एकाग्रता और साधना से हम अपने अंदर की प्रतिभा को सहजता पूर्वक बाहर लाने की कोशिश करेंगे तो हम पाएंगे कि हमारे अंदर से जैसे एक नए इंसान का जन्म हुआ हो। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के साथ योग और ध्यान को शामिल करेंगे तो हमारे अंदर एक नई चेतना का जन्म होगा। ये चेतना भी किसी योग से कम नहीं। इस अवस्था का अध्यात्म और योग से एकदम सीधा और सरल संबंध है।

बिंदु माधव ने बताया कि योग और ध्यान करने के विधियों में हमारे श्वास को अत्यधिक प्राथमिकता दी गई है। इसी प्रकार, एथलेटिक्स में भी निरंतर अभ्यास से हम हमारे गति, संतुलन, और वेग को अपने इंद्रियों और सांसों से नियंत्रित करने की और एक दिशा देने की कोशिश करते हैं। अथक परिश्रम और निरंतर अभ्यास के बाद हमारे शरीर को वास्तविक स्थिति में लाने के लिए सामान्य करने की कोशिश करते हैं। जिससे हमारी नब्ज और दिल की धड़कन फिर से सामान्य स्थिति में आ जाए। उन्होंने कहा कि अगर कोई अपने एकाग्रता और श्वास पर नियंत्रण पा लेता है, तो उसके शरीर में शक्तिशाली ऊर्जा का उत्पादन, संचालन और संरक्षण सहज रूप से होता है। ऐसे लोगों को बर्फ की पहाड़ियों में ठंड नहीं लगती, गर्म रंगिस्तान में गर्मी असर नहीं करती। अगर हर एथलिट के प्रशिक्षण के दिवचर्या में योग और ध्यान के प्रशिक्षण को जोड़ दिया जाय, तो यह एक बहुत ही शक्तिशाली संगम होगा।

उन्होंने कहा कि एथलीट्स के उत्कृष्ट प्रदर्शन के सपने को साकार करने का मार्ग सुगम हो जाएगा। इस पद्धति से, हर खिलाड़ी की प्रतिभा भी बहेगी, उनके प्रदर्शन में भी उन्नति होगी, और उनके शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक, और आध्यात्मिक विकास का



सामूहिक विकास होगा, जो जीवन के लिए बहुत ही जरूरी है। बिंदु माधव ने कहा कि आज विश्व भर में भारत एक युवा देश माना जाता है और यह भी माना जाता है कि यह स्थिति 2056 तक भारत कायम रहेगा। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि आज के तेज रफ्तार और गतिशील जमाने में युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारे खेलों के प्रभारी, प्रमुख, अधिकारी और जन प्रतिनिधि खेलों के प्रशिक्षण के साथ खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास के लिए, हर खेल के प्रशिक्षण प्रणाली, समय सारणी और दिनचर्या में योग को सम्मिलित करें।



रायपुर बाजार

Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पटेल बोरवेल्स

संतोषी नगर, रायपुर

9200003357, 7999898750

Kinkor, TEKNO, C.R.I. PUMPS, Jinkor

मोटर वाईडिंग, वाटर पंप, रिपेराटिंग कार्य किया जाता है।

पैसा चाहिए ? हमारे पास आइए

(केवल बिजनेस लोन)
एजेंट आमंत्रित

न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन

मोटवानी फायनेंस
गली नं. 03, स्थिती कॉलोनी, तेलीवांचा, रायपुर

93404-44755

आपके विज्ञापन के लिये जगह उपलब्ध है।

संपर्क करें

मो. 6263818152, 7067183593

Bhoi's

SWIMMING ACADEMY

Give Your Child Confidence, Fitness, And Discover The Swimmer Within You!

(SPECIAL OFFER FOR 3 & 6 MONTH)

Choubay Colony
Old Health Watch
Raipur (C.G.)

98271169161
9589854455

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

सेलेना के पति बेनी ब्लैंको का अजीबो-गरीब डाइट प्लान, वजन कम करने का अनुभव किया साझा

म्यूजिक प्रोड्यूसर बेनी ब्लैंको ने काफी वजन कम कर लिया है। इसके लिए उन्होंने एक अजीबो-गरीब डाइट प्लान पर अमल किया। वजन कम करने के अपने इस अनुभव को बेन ब्लैंको ने साझा किया है। बेनी ब्लैंको ने एक अनोखे डाइट एक्सपेरिमेंट के तहत पांच दिन तक सिर्फ पिज्जा खाकर लगभग पांच पाउंड वजन कम किया। इस एक्सपेरिमेंट का मकसद यह साबित करना था कि कोई भी खाना खाकर वजन कम किया जा सकता है। 38 साल के बेनी ब्लैंको ने एक टिकटॉक वीडियो में अपने एक्सपेरिमेंट के नतीजे शेयर किए। वह इस वीडियो में कहते हैं, 'मैं साबित करना चाहता था कि सचमुच कुछ भी खाकर वजन कम किया जा सकता है।' बेनी ने पूरे हफ्ते के लिए डोमिनोज का एक बड़ा थिन-क्रस्ट चीज पिज्जा चुना। चैलेंज के पहले दिन पिज्जा का एक स्लाइस हाथ में पकड़े हुए बेनी ब्लैंको ने सोशल मीडिया पर कहा, 'यह उस खाने का 1/16 हिस्सा है जो मैं आज खा सकता हूं।' बाद में यह एक्सपेरिमेंट बेनी के लिए मुश्किल हो गया क्योंकि उन्हें कुछ अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जैसे कि काम पर किसी ने उनके पिज्जा के कई स्लाइस खा लिए। पांच दिन के आखिर में आकर बेनी ब्लैंको का वजन 147.5 पाउंड पाया गया। इस पर बेनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'मैंने सिर्फ पिज्जा खाकर पांच दिनों में 4.7 पाउंड वजन कम किया है। किसी चीज से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप जो चाहें वो कर सकते हैं।' बेनी ब्लैंको और उनकी पत्नी सेलेना गोमेज फूडी हैं।

टॉलीवुड

‘दृश्यम 4’ ऐलान के साथ यूजर्स ने घेरा, बोले- हमें गिरफ्तार कर लो और कहानी खत्म करो!

मोहनलाल की पॉपुलर फिल्म 'फ्रेंच' का डी जे 'दृश्यम' के चौथे पार्ट का ऐलान हो चुकी है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर लोगों ने मीम्स की बाढ़ ला दी। 'दृश्यम' का चौथा पार्ट अनाउंस होने के बाद जहां कुछ फैंस एक बार फिर जॉर्जकुट्टी के किरदार में मोहनलाल को देखने के लिए एक्साइटड हैं, वहीं कुछ लोग अब इस लंबे समय से चले आ रहे मर्डर मिस्ट्री केस से थक चुके हैं। इस वजह से कई यूजर्स ने अनाउंसमेंट वाली पोस्ट पर कई मीम्स शेयर किए हैं। अब 'दृश्यम 4' के ऐलान के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने इसकी कहानी को लेकर खूब मजे लिए। एक यूजर ने तो केरल पुलिस, मोहनलाल और केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन को टैग करते हुए लिखा कि 'मैंने उस आदमी को मारा है, मुझे गिरफ्तार कर लो।' एक अन्य मीम में वरुण का कंकाल जॉर्जकुट्टी के परिवार से बात करता हुआ नजर आया। इस मीम के जरिए लोगों ने मजाक किया कि यह केस इतने लंबे समय से चल रहा है कि अब तो कंकाल भी जवाब मांग रहा होगा। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा- 'भाई अब छोड़ दो।' वहीं एक और यूजर ने मजाक में 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी को 'प्रधानमंत्री अजय देवगन रोजगार योजना' बता दिया। यह मजाक हिंदी 'दृश्यम' फिल्मों में अजय देवगन की मौजूदगी और लगातार बढ़ती फ्रेंचाइजी को लेकर था। एक यूजर ने तो केरल पुलिस को टैग करते हुए लिखा कि उसने कभी फर्जी एनकाउंटर का समर्थन नहीं किया, लेकिन अब जॉर्जकुट्टी का एनकाउंटर कर इस कहानी को खत्म कर देना चाहिए। 'दृश्यम 4' मलयालम की चर्चित थ्रिलर फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म होगी। इसमें मोहनलाल एक बार फिर जॉर्जकुट्टी के किरदार में नजर आएंगे।

भोजपुरी

'भोजपुरी बवाल' में राखी मनाते दिखे सेलेब्स, आम्रपाली-काजल छा गए

सेलिब्रिटी रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' खूब सुर्खियां बटोर रहा है। आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी, दिनेश लाल यादव निरहुआ, रानी चरन्जी और पवन सिंह जैसे सेलेब्स यहां नजर आ रहे हैं। हाल ही में शो का नया प्रोमो जारी हुआ है। इसमें सितारे राखी का त्योहार सेलिब्रेट करते दिख रहे हैं। रियलिटी शो 'हॉटस्टार रियलिटी' के इंस्टाग्राम अकाउंट से 'भोजपुरी बवाल' का प्रोमो रिलीज किया गया है। इसमें आम्रपाली दुबे अपनी बहन को राखी बांध रही हैं। वहीं, खेसारी लाल यादव अपनी बहन से राखी बंधवा रहे हैं। काजल राघवानी ने भी अपने भाई की कलाई राखी से सजाई है। प्रोमो में आम्रपाली अपनी बहन की कलाई पर राखी बांधते हुए कहती हैं, 'हर जन्म में भगवान तुझे बहन के रूप में मुझे ही दें।' इस दौरान जस्टेस काफी इमोशनल हो गईं। खेसारी लाल यादव ने बताया कि वे कैसे राखी मनाते हैं? उन्होंने कहा, 'इस त्योहार पर हम कहीं भी रहते हैं तो यहां गांव में जरूर आ जाते हैं।' उनकी बहन राखी बांधती दिख रही हैं।

'डिलिवरेंस' की याद

अलेक्जेंडर मैक्वीन के 2004 के 'डिलिवरेंस' कलेक्शन जितने यादगार शो बहुत कम ही होते हैं। यह कलेक्शन सिडनी पोलैक की 1969 की क्लासिक फ़िल्म 'दे शूट हॉर्सेस, डॉट दे?' पर आधारित था, जो मंदी के दौर की गरीबी में बड़े हो रहे युवा डॉसर्स की कहानी है। मैक्वीन ने प्रोफेशनल डॉसर्स को शामिल किया ताकि वे ऐसे डॉस का प्रदर्शन कर सकें जो मौत तक ले जाए।

वैक्सिंग करने के बाद करें ये काम, लंबे समय तक त्वचा रहेगी जवां

हाथ-परा स बाल इनकलवा दन के बाद त्वचा मुलायम लगन लगता ह। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि वैक्सिंग के चंद ही दिनों में त्वचा की चमक खोने लगती है। अगर आप जरा-सी गलती करें, तो आपका पूरा एक्सपीरियंस खराब हो सकता है। वैक्सिंग के बाद, त्वचा का ख्याल रखने से ही वो जवां नजर आएगी और निखार दिखेगा। अधिकांश महिलाएं वैक्सिंग के बाद त्वचा की देखभाल नहीं करती हैं और इसी के चलते रेशेज, ड्राईनेस, वैक्सिंग बंप्स आदि नजर आने लगते हैं। सेलिब्रिटी डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. चित्रा आनंद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर वैक्सिंग आफ्टर केयर के बारे में बताती हैं। उनके मुताबिक, वैक्सिंग के बाद, त्वचा का खासतौर से ख्याल रखना चाहिए। अगर आप स्किन को किसी तरह के डिस्कम्फर्ट से बचना चाहती हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान देना चाहिए। अच्छे लोशन लगाने से लेकर सही कपड़े पहनने तक वैक्सिंग के बाद आपको अन्य किन बातों का ख्याल रखना चाहिए, आइए जानें।

वैक्सिंग के बाद माइल्ड क्लींजर से करें त्वचा को साफ

वैक्सिंग के बाद त्वचा में थोड़ी-सी खुजली होना सामान्य है। क्या आप स्किन को स्क्रैच करने लगती हैं? या बार-बार गंदे हाथों से हाथ-पैरों को छूती हैं? ऐसा बिल्कुल न करें। वैक्सिंग के बाद किसी तरह के इंफेक्शन से बचने के लिए ऐसा नहीं करना चाहिए। इसके अलावा हमेशा एक माइल्ड, फ्रैगरेंस फ्री क्लींजर से त्वचा को साफ करें और त्वचा पर यदि वैक्स छूट गई है, तो उसे साफ करें। फिटेड कपड़े पहनना गलत नहीं है, बस आपको वैक्सिंग के बाद टाइट और फिटेड कपड़े नहीं पहनने चाहिए। इससे आपकी त्वचा पर



फ्रिक्शन होगा और हाथ या पैर में जलन या रेशेज पड़ सकते हैं। वैक्सिंग के बाद ढीले कपड़े पहनें। इससे त्वचा को सांस लेने में मदद मिलेगी और डिस्कम्फर्ट या अक्सर होने वाली इनग्रोन हेयर की समस्या नहीं होगी। असुविधाजनक घर्षण और जलन से बचने के लिए वैक्स के बाद कुछ दिनों के लिए बैगी यानी ढीले कपड़े ही पहनें।

वैक्सिंग के बाद ठंडे पानी से नहाएं

हॉट बाथ लेना या स्टीम रूम में बैठना आपको भी अच्छा लगता होगा। मगर एक चीज का ध्यान रखें कि वैक्सिंग के बाद हॉट बाथ नहीं लेना चाहिए। गर्म पानी से त्वचा में जलन पैदा हो सकती है। वैक्सिंग के तुरंत बाद ठंडे पानी से नहाएं या ठंडे पानी से त्वचा को साफ करें। इससे जलन कम होगी और त्वचा को आराम मिलेगा। इसके अतिरिक्त पूल या बीच में जाने से भी बचें। इस तरह से आप इंफेक्शन भी बच जाएंगी।

डेट लुक के लिए परफेक्ट हैं लिपस्टिक के ये खास शेड्स

मेकअप तो हम सभी को पसंद होता है और इसके लिए कई प्रोडक्ट्स आजकल मार्केट में आपको देखने को मिल जाएंगे, लेकिन कितना ही मेकअप कर लिया जाये अगर लिपस्टिक का शेड सही नहीं चुना गया तो पूरा लुक आखिर में बिगड़ जाता है। अपने पार्टनर के साथ डेट नाइट पर जाना है तो आपको लिपस्टिक के कुछ ऐसे शेड्स पर नजर डालना चाहिए जो आपके डेट लुक में जान डालने का काम करेंगे। साथ ही जरूर जानिए मेकअप से जुड़े कुछ आसान हैक्स-

रेड कलर लिपस्टिक

डेट लुक के लिए रेड कलर को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। रेड कलर पैलेट में आपको कई शेड्स देखने को मिल जाएंगे, लेकिन रेड लिपस्टिक में आपको अपनी स्किन टोन के हिसाब से ब्राइट, डीप या वार्म कलर टोन को चुनना चाहिए। अगर आप रेड आउटफिट पहन रहे हैं तो रेड कलर की लिपस्टिक को अवॉयड ही करें। हालांकि ब्लैक कलर की आउटफिट के साथ इस तरह के



बोल्ड कलर लिप शेड बेस्ट रहेंगे।

न्यूड ब्राउन शेड लिपस्टिक

अगर आप न्यूट्रल या सटल कलर पैलेट में मेकअप लुक को रखना चाहती हैं तो इस तरह का न्यूड ब्राउन शेड लिप कलर आपके लिए बेस्ट रहेगा। इस कलर को आप लाइट से लेकर डार्क आउटफिट कलर के साथ कैरी कर सकती हैं। यह कलर फेयर से मीडियम स्किन टोन पर बेस्ट नजर आएगा। अगर आपका स्किन टोन डार्क है तो ब्राउन कलर पैलेट में आपको डार्क शेड्स भी मिल जाएंगे।

कार्नर न्यूज

फॉर्मल और इनफॉर्मल के बीच बैलेंस करके चलना बहुत मुश्किल नहीं है। बस इसके लिए नए अंदाज में कोट-ब्लेजर, शर्ट, पैंट आदि को कैरी करना होगा। इसके बाद आपको एकदम नया लुक मिल जाएगा, जो कि देखने में वाकई दमदार होगा। कई लड़के सूट-बूट इसलिए नहीं पहन पाते क्योंकि वे उतने फॉर्मल तरीके से ड्रेस को कैरी नहीं कर पाते। हालांकि, एकदम फॉर्मल दिखना इसके मुकाबले मुश्किल है। इसलिए बिना शर्ट और टाई के सूट-बूट टाइट का लुक चाहिए तो यहां पर दिए स्टाइलिंग टिप्स फॉलो कर सकते हैं।

टाई बांधना जरूरी नहीं?

फैशन की गलतफहमी कई बार हमें अच्छी ड्रेस पहनने से भी रोक देती है। हमें लगता है कि सूट-बूट के साथ टाई बांधना, फॉर्मल शर्ट, फॉर्मल शूज आदि पहनना जरूरी है। जबकि मॉडर्न दौर में ऐसा कोई हार्ड एंड फास्ट फैशन रुल नहीं है। हां, अच्छा दिखने के लिए शर्ट है ड्रेस पहनने की, भले ही वो किसी के लिए कंफर्टेबल हो या न हो। हमें इसी रेस से आगे निकलकर फॉर्मल और इनफॉर्मल के बीच वाली



लाइन पर चलना है।

पोलो टी-शर्ट और ब्लेजर

आपके लिए भले ही यह नया हो लेकिन पोलो टी-शर्ट और ब्लेजर को पहनना सही साबित हो सकता है। आयुष्मान खुराना को देखकर इस बात को समझ सकते हैं। इसके साथ आप अपने पसंदीदा स्नीकर भी पहन सकते हैं और फॉर्मल शूज को थोड़े समय के लिए आराम दे सकते हैं। अगर आप पोलो टी-शर्ट के साथ ब्लेजर पहनें तो टी-शर्ट के सभी बटन को बंद रखें। साथ ही आप ब्लेजर की स्लीव को ऊपर चढ़ा लें। इसके अलावा आप राउंट नेक टी-शर्ट के साथ भी इस तरह का लुक पा सकते हैं।

जैकेट और टीज

हर बार कोट-ब्लेजर पहनना जरूरी नहीं है। सूट पहने किसी शख्स की तरह आकर्षक दिखने के लिए इस तरह की ड्रेस पहनें। सिंपल टीज, जैकेट और स्नीकर्स पहन सकते हैं। इसमें आप परफेक्ट दिखेंगे।

देखने में बेहद स्टाइलिश नजर आते हैं फुल घरे वाले ये सूट डिजाइंस



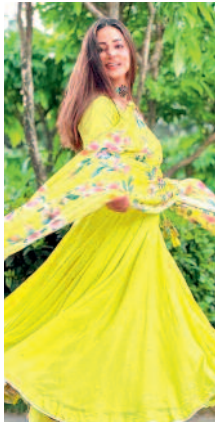
लगभग हर एक दिन हम सूट पहनना पसंद करते हैं और इसके कई डिजाइंस भी आपको कई मिल जाएंगे। वहीं लेटेस्ट फैशन ट्रेंड की बात करें तो आजकल एक्सपेरिमेंटल फैशन का दौर चल रहा है, जिसे हम जैसे कई लोग काफी पसंद भी कर रहे हैं। दौर की बात करें तो आजकल फुल घरे वाले सूट को काफी पसंद किय जा रहा है। अगर आप भी अपने सूट लुक को थोड़ा स्टाइलिश बनाना चाहती हैं तो हम आपको दिखाने वाले हैं फुल घरे वाले सूट के लेटेस्ट डिजाइंस, जिन्हें आप रोजाना से लेकर किसी छोटे-बड़े फंक्शन के लिए स्टाइल कर सकती हैं और अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं। साथ ही बताएंगे इन लुक्स को स्टाइल करने के आसान टिप्स।

नायरा कट सूट डिजाइन

मार्केट में आजकल इस तरह के नायरा कट काफी चलन में नजर आ रहे हैं। इस सूट को डिजाइनर गोपी वेद ने डिजाइन किया है। इस तरह का मिलता-जुलता सूट आपको मार्केट में लगभग 800 रुपये से लेकर 1500 तक में आसानी से मिल जाएगा। इस तरह के सूट के साथ आप बालों के लिए वेवी ओपन हेयर स्टाइल चुनें और पर्ल ज्वेलरी को स्टाइल करें।

अनारकली स्टाइल सूट डिजाइन

अनारकली सूट का चलन एवर्ग्रीन रहता है। इस कलीदार सूट को डिजाइनर डेेजी रिद्धि सूरी द्वारा डिजाइन किया गया है। इस तरह का मिलता-जुलता सूट आपको मार्केट में लगभग 1000 रुपये से लेकर 2000 रुपये में मिल जाएगा। इस तरह के सूट के साथ आप हैवी शुभकी इयररिंग्स को स्टाइल कर सकती हैं। साथ ही बालों के लिए आप स्लीक बन हेयर स्टाइल या ओपन हेयर स्टाइल को चुनें। आजकल पाकिस्तानी स्टाइल सूट का चलन फिर चलन में आ रहा है। इस खूबसूरत सूट को डिजाइनर रजी रमिंग द्वारा डिजाइन किया गया है।



घर पर केराटिन करके बचाएं हजारों रुपये, जानें इसका सही तरीका

केराटिन ट्रीटमेंट में बालों की लंबाई के अनुसार पैसे लगते हैं। इसकी शुरुआत ही 4 हजार से होती है। ऐसे में अगर आपका केराटिन कराने का मन है, लेकिन आपके पास पैसे नहीं हैं तो कुछ जरूरी टिप्स अपनाएं। आपको घर पर ही केराटिन करना सीखना चाहिए, जिससे आपको घर पर ही पार्लर जैसा रिजल्ट मिल जाए। घर पर केराटिन करने में आपका समय और पैसा दोनों बचेंगे।

क्या होता है केराटिन ट्रीटमेंट

आपको बता दें कि जब बालों में प्रोटीन की मात्रा खत्म होने लगती है, और उस वजह से बाल डैमेज होने लगते हैं तो महिलाएं केराटिन ट्रीटमेंट कराती हैं। इस ट्रीटमेंट में बालों पर एक क्रीम की लेयर लगाई जाती है, जिसे बालों पर अच्छे से लगाया जाता है। इस ट्रीटमेंट के बाद बालों में साधारण शैंपू इस्तेमाल नहीं किया जाता। इस ट्रीटमेंट को आप घर पर भी कर सकते हैं। आइए आपको इसका तरीका बताते हैं। केराटिन मास्क बनाने के लिए सबसे पहले से एक चौथाई कटोरी एलोवेरा जेल लें। इसमें एक चौथाई कटोरी उबले चावल, चार से पांच चम्मच दही, एक विटामिन ई कैप्सुल और एक



चम्मच जैतून के तेल मिलाकर इनकी पेस्ट बना लें। ये आपका मास्क तैयार है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इस तैयार किए गए पैक को बालों पर सही से अप्लाई करें। इसके लिए सबसे पहले बालों को सही से कई भागों में विभाजित करें। इसके बाद पेस्ट को जड़ से सिरों तक इसे लगाएं। अब 1 घंटे के बाद इसे बाल धो लें। इस मास्क को लगाने आपके बाल झड़ना भी काफी कम हो जाएंगे। इसके साथ में आपके बालों में शाइन आएगी।

फैशन की दुनिया में हो रहे बदलाव को अपनाना ही समझदारी

शर्ट-टाई के बिना भी मिल सकता है सूट-बूट जैसा लुक, जानिए कोट-ब्लेजर पहनने के स्मार्ट तरीके

ब्लैक ड्रेस

ब्लैक कोट, टीज और पैंट के साथ आपको इम्प्रेसिव लुक मिल सकता है। यकीन कीजिए ये लुक शायद आपको पूरी तरह टाई-कोट पहनने के बाद भी न मिले। इसके साथ एक व्हाइट कलर का स्नीकर, कितना दमदार है न हां, हमेशा सफेद जूतों को चमकाकर रखें। हमेशा इम्प्रेसिव लुक के लिए कोट-ब्लेजर या जैकेट पहनने की आवश्यकता नहीं है। आप चाहें तो केवल बेहतरीन फिटिंग वाली शर्ट, जींस और ऑक्सफोर्ड स्टाइल के शूज भी कैरी कर सकते हैं।

फ्रिंटेड शर्ट और ब्लेजर

फॉर्मल शर्ट के साथ कोट या ब्लेजर को पहनने वाले बहुत लोग हैं। मगर फ्रिंटेड शर्ट और ब्लेजर का कॉम्बिनेशन भी कम दमदार नहीं है। इस तरह के लुक के लिए आप अपने वार्डरोब में भी एक जोड़ी ऐसी ड्रेस जरूर रख लें। वरुण धवन की स्टाइल में खास बात होती है। ऑफ व्हाइट ड्रेस का कॉम्बिनेशन भी सही रहेगा।

